दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03 : अंक : 310 | ग्वालियर , बुधवार 16 दिसम्बर 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

सिंगापुर के बराबर होगा कच्छ में बनने वाला एनर्जी पार्क

कच्छ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को गुजरात के कच्छ में बनने वाले दुनिया के सबसे बड़े रिन्यूएबल एनर्जी पार्क (नवीकरणीय ऊर्जा पार्क) का शिलान्यास किया। इसके साथ ही, उन्होंने मांडवी में डिसैलिनेशन प्लांट की भी आधारशिला रखी। भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के पास बनने वाला एनर्जी पार्क 72 हजार से अधिक हेक्टेयर जमीन पर फैला होगा। यह लगभग सिंगापुर और बहरीन जैसे देशों के बराबर है। गुजरात सरकार ने भुज से 72 किलोमीटर उत्तर की ओर खावड़ा में बंजर जमीन एनर्जी पार्क बनाने के लिए मुहैया करवाई है। अप्रैल, 2020 में रक्षा मंत्रालय ने 72,600 हेक्टेयर जमीन पर पार्क बनाने के लिए हरी झंडी दी थी। 30,000 मेगावाट के इस एनर्जी पार्क में सौर पैनल और विंडमिल की मदद से ऊर्जा पैदा की जाएगी। रिन्यूएबल एनर्जी पार्क दो जोन्स में बंटा हुआ होगा। पहला- 49,600 हेक्टेयर हाइब्रिड पार्क जोन होगा, जिसमें 24,800 मेगावॉट के विंड और सोलर पावर प्लांट्स होंगे, जबकि दूसरा विंड पार्क होगा, जोकि 23 हजार हेक्टेयर जमीन पर बना होगा। भारत-

पाकिस्तान के बॉर्डर के एक दम नजदीक बनने वाला यह प्रोजेक्ट खावड़ा गांव और विघाकोट के बीच में है। खावड़ा से प्रोजेक्ट साइट की दूरी लगभग 25 किलोमीटर की है। यह वह आखिरी छोर है, जहां पर किसी नागरिक को जाने की अनुमति है। विंड पार्क जोन की बात करें तो यह अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर से 1-6 किलोमीटर के अंदर बनेगा। वहीं, हाइब्रिड पार्क जोन बॉर्डर से छह किलोमीअर दूर होगा। भारत-पाकिस्तान का बॉर्डर होने की वजह से इन इलाकों में हमेशा बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) के जवान देश की सुरक्षा में तैनात रहते हैं। गुजरात के एनर्जी एवं पैट्रोकैमिकल्स डिपार्टमेंट में एडिशनल चीफ सेक्रेटरी के पद पर तैनात सुनैना तोमर ने इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में बताया कि इस जमीन को इसलिए चुना गया है क्योंकि यह पूरी तरह से बंजर जमीन है। दूसरी बात यह है कि अगर यहां पर विंडमिल बनाए जा रहे हैं, तो फिर यह बॉर्डर की तरह काम करेगी। रक्षा मंत्रालय ने प्रोजेक्ट के लिए अप्रैल महीने में 72,600 हेक्टेयर जमीन मुहैया कराने के लिए अपनी मंजूरी दी थी। इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार, राज्य सरकार ने एनर्जी पार्क के लिए जमीन छह डेवलर्पस को दी है। हाइब्रिड पार्क के लिए जमीन अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (19 हजार हेक्टेयर), सरजन रियलिटीस लिमिटेड (9,500 हेक्टेयर), एनटीपीसी लिमिटेड (9,500 हेक्टेयर), गुजरात इंडस्ट्रीस पावर कंपनी लिमिटेड (4,750 हेक्टेयर) और गुजरात स्टेट एलेक्ट्रिसिटी कॉर्पोरेशन (6,650 हेक्टेयर) को दी गई है।

प्रोजेक्ट तक के लिए बनेगी 18 किलोमीटर लंबी सड़क-एनर्जी पार्क तक पहुंचने के लिए 18 किलोमीटर लंबी सड़क बनाई जाएगी। इसे राज्य सरकार बनाएगी। यह सड़क इंडिया ब्रिज के आगे जाकर प्रोजेक्ट तक जाएगी।

न्यूज ट्रैक

1971 युद्ध के जांबाज़ों के सम्मान में 11 घंटे के अंदर 180 किलोमीटर दौड़े बीएसएफ जवान

नई दिल्ली। सन् 1971 में हुए भारत-पाकिस्तान युद्ध के जांबाज़ों के सम्मान में बीएसएफ (सीमा सुरक्षा बल) जवानों ने 11 घंटे से कम समय में 180 किलोमीटर की रिले रेस दौड़ लगाई। यह दौड़ 13-14 दिसंबर की रात अंतरराष्ट्रीय सीमा पर लगाई गई। राजस्थान के अनूपगढ़ में यह दौड़ खत्म हुई। केंद्रीय खेल राज्य मंत्री किरन रिजिजू ने इस दौड़ में हिस्सा लेने वाले बीएसएफ जवानों की सराहना की। किरन रिजिजू ने इस दौड़ का वीडियो ट्वीट किया और साथ में लिखा, बीएसएफ ने 1971 के युद्धवीरों को आज अलग अंदाज़ में सम्मानित किया। बीएसएफ के 930 जवानों ने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर आधी रात में 180 किलोमीटर की बैटन रिले रेस की और इसे 11 घंटे से भी कम समय में पूरा किया। बता दें कि 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की जीत और बांग्लादेश को आज़ादी मिलने के बाद हर साल 16 दिसंबर को भारत में विजय दिवस के तौर पर मनाया जाता है। 3 दिसंबर से शुरू हुए युद्ध में भारत ने पाकिस्तान की ऐसी हालत कर दी थी कि उस समय पाकिस्तानी सशस्त्र बल के तत्कालीन प्रमुख जनरल आमिर अब्दुल्लाह खान नियाज़ी ने अपने 93 हज़ार सैनिकों के साथ भारतीय सेना के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था।

अजित डोभाल के श्रीलंका दौरे के बाद मालदीव में बैठे वांटेड अपराधियों को वारंट भेजना हुआ संभव, 2018 में हुई थी संधि

नई दिल्ली। भारतीय कानून प्रवर्तन एजेंसियां मालदीव में वांटेड अपराधियों को (जिनका भारत में किए गए अपराध से संबंध होगा) समन या जांच के लिए वारंट सक्षम कोर्ट के माध्यम से भेज सकती हैं। हालांकि ये प्रक्रिया गृह मंत्रालय के जरिये ही आगे बढ़ाई जाएगी। भारत और मालदीव के बीच परस्पर कानूनी सहायता संधि- एमलैट के तहत साल पर पहले हुए समझौते को लागू करने के लिए नियम अधिसूचित करने की जानकारी मालदीव को दी गई है।गृह मंत्रालय ने दोनों देशों के बीच हुए एक समझौते के अनुसार मालदीव में अभियुक्तों को समन जारी करने के लिए भारतीय अदालतों के लिए नियमों को अधिसूचित किया है। सूत्रों ने बताया कि उन नियमों को अधिसूचित किया गया है, जिनके तहत भारतीय पुलिस या किसी केंद्रीय जांच एजेंसी द्वारा मालदीव में किसी भी आरोपी को भारतीय अदालतों के माध्यम से समन या तलाशी वारंट भेजा जा सकता है।

प्रक्रिया गृह मंत्रालय करेगा-नियमों में कहा गया है, केंद्र सरकार द्वारा मालदीव गणराज्य में अपराधियों को समन भेजने या आपराधिक मामलों के संबंध में वारंट और सर्च वारंट की व्यवस्था केंद्र सरकार द्वारा की गई है। समन की प्रक्रिया गृह मंत्रालय के माध्यम से कराई जानी चाहिए। नियमों में यह भी कहा गया है कि इसी तरह मालदीव की अदालत से प्राप्त समन, वारंट, दस्तावेज या अन्य दस्तावेज भी एमएचए को भेज दी जानी चाहिए। आपराधिक प्रक्रिया संहिता, 1973 की (1974 की 2) की धारा 105 की उप-धारा (2) के प्रावधान के अनुसार, केंद्र सरकार ने इस संबंध में दिशा निर्देश तय किए हैं। गृह मंत्रालय में इस मामले को आंतरिक सुरक्षा- 2 विभाग देखेगा।

पांच राज्यों में 30 फीसदी से ज्यादा महिलाएं घरेलू हिंसा की शिकार, कोरोना काल में बढ़ गई घटनाएं

नई दिल्ली। देश के 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में किए गए राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के मुताबिक, पांच राज्यों की 30 फीसदी से अधिक महिलाएं अपने पति द्वारा शारीरिक और यौन हिंसा की शिकार हुई हैं। एनएफएचएस के मुताबिक, महिलाओं के खिलाफ घरेलू हिंसा के मामलों में सबसे बुरा हाल कर्नाटक, असम, मिजोरम, तेलंगाना और बिहार में है। सामाजिक कार्यकर्ताओं और गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) ने कोविड-19 महामारी के मद्देनजर ऐसी घटनाओं में वृद्धि की आशंका जताई है। इस सर्वेक्षण में देश भर के 6.1 लाख घरों को शामिल किया गया। इसमें साक्षात्कार के जरिए आबादी, स्वास्थ्य, परिवार नियोजन और पोषण संबंधी मानकों के संबंध में सूचनाएं इकट्ठा की गईं। एनएफएचएस-5 सर्वेक्षण के मुताबिक, कर्नाटक में 18 से 49 आयु वर्ग की करीब 44.4 फीसदी महिलाओं को अपने पति द्वारा घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ा है। जबकि 2015-2016 के सर्वेक्षण के दौरान राज्य में ऐसी महिलाओं की संख्या करीब 20.6 फीसदी थी।

किसान आंदोलन खत्म करवाने को लेकर सरकार सक्रिय

पीएम मोदी किसानों से करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली। आंदोलनकारी किसानों को फिर से वार्ता की मेज पर लाने में जुटी सरकार सोमवार को विभिन्न स्तरों पर सक्रिय रही। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने गृह मंत्री अमित शाह के साथ बैठक की।

तोमर ने देश के विभिन्न राज्यों से आए किसान संगठनों के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की है। उन्होंने उम्मीद जताई कि किसान जल्द ही सरकार के प्रस्ताव पर जबाब देंगे, जिससे बातचीत आगे बढ़ सके। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को गुजरात में कच्छ के एक दिवसीय दौरे पर जाएंगे। कृषि कानूनों के विरोध में जारी किसान आंदोलन के बीच वह कच्छ के कृषक समुदाय के अलावा गुजरात के सिख किसानों से भी मुलाकात करेंगे। आधिकारिक बयान मुताबिक, प्रधानमंत्री कुछ परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे और कच्छ में धोरडो के किसानों और कलाकारों के साथ संवाद करेंगे। मुख्य कार्यक्रम से पहले वह कच्छ के किसानों के साथ चर्चा करेंगे। भारत-पाक सीमा के पास बसे सिख किसानों को प्रधानमंत्री से संवाद के लिए आंमत्रित किया गया है।

कच्छ जिले की लखपत तालुका में और इसके आसपास मिलाकर करीब 5,000 सिख परिवार रहते हैं। आपको बता दें कि नए कृषि कानूनों के विरोध में हजारों किसान पिछले दो सप्ताह से भी अधिक समय से दिल्ली की सीमाओं पर विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। राजधानी दिल्ली की सीमाओं पर बीते 20 दिनों से जारी किसान आंदोलन को समाप्त करने के लिए सरकार में सोमवार को दिनभर माथापच्ची चली। बैठकों के कई दौर हुए और सरकार किसानों को भेजे अपने प्रस्ताव पर जवाब का इंतजार करती रही। गृह मंत्री अमित शाह ने कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की, जिसमें कानूनों में बदलाव और किसानों की बातों को मानने के मुद्दों के साथ आंदोलन की समीक्षा भी की गई। इस बीच सरकार देश के विभिन्न राज्यों के किसानों का कृषि कानूनों के पक्ष में समर्थन जुटाती भी दिखी। छह राज्यों के 10 किसान संगठनों के प्रतिनिधियों ने कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर से मुलाकात की और कृषि कानूनों का समर्थन किया।

केजरीवाल का ऐलान

2022 का यूपी विधानसभा चुनाव लड़ेगी आम आदमी पार्टी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलावर को ऐलान करते हुए कहा कि उनकी पार्टी 2022 में उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव में हिस्सा लेगी। केजरीवाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश में हर पार्टी की सरकार आई, लेकिन अपने घर भरने के सिवाय किसी ने यूपी के लिए कुछ नहीं किया। आज छोटी-छोटी सुविधाओं के लिए यूपी के लोगों को दिल्ली क्यों आना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की सभी पार्टियों ने लोगों को धोखा दिया है। प्रत्येक सरकार ने भ्रष्टाचार के मामले में एक दूसरे को पार कर दिया था। दिल्ली में रहने वाले उत्तर प्रदेश के बहुत से लोगों ने पिछले कुछ वर्षों में हमें बताया है कि यूपी भी दिल्ली की तरह कल्याण और लाभ का हकदार है। केजरीवाल ने कहा कि आज यूपी में

सही और साफ नीयत वाली राजनीति की कमी है। ये केवल आम आदमी पार्टी दे सकती है। उत्तर प्रदेश को गंदी राजनीति और भ्रष्ट नेताओं ने विकास से दूर रखा। इसलिए दिल्ली में जो सुविधाएं लोगों को मिल रही है, वो यूपी में अभी तक नहीं मिलीं। उन्होंने कहा कि यूपी में आप की सरकार बनने पर वहां भी दिल्ली के विकास मॉडल को लागू करेंगे। बता दें कि आम आदमी पार्टी इससे पहले दिल्ली, पंजाब, गोवा और हरियाणा में भी कुछ सीटों पर चुनाव लड़ चुकी है। जहां दिल्ली और पंजाब में पार्टी को अच्छी सफलता मिली है। अपने बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य और फ्री बिजली-पानी के फॉर्मूले की बदौलत 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में आप ने 70 में 62 सीटें जीतकर दिल्ली में तीसरी बार सरकार बनाने में कामयाबी हासिल है।

कोरोना वैक्सीन लगने के बाद 30 मिनट की जाएगी निगरानी, पहले फेज में 30 करोड़ का होगा टीकाकरण

नई दिल्ली। कोविड-19 टीकाकरण के लिए केंद्र की ओर से राज्यों को जारी किए गए दिशा-निर्देशों के तहत टीका देने के बाद करीब 30 मिनट तक व्यक्ति की निगरानी की जाएगी। इसके अलावा टीकाकरण स्थल पर एक समय में केवल एक व्यक्ति को अनुमति होगी। इसके तहत, एक दिन में प्रत्येक सत्र में 100 से 200 लोगों का टीकाकरण होगा। पहले फेज में 30 करोड़ लोगों का टीकाकरण होगा। दिशा-निर्देशों के मुताबिक, कोविड वैक्सीन इंटेलिजेंस नेटवर्क (को-विन) प्रणाली का इस्तेमाल टीकाकरण के लिए सूचीबद्ध लाभार्थियों का पता लगाने में किया जाएगा। जिस स्थान पर टीकाकरण होगा, वहां प्राथमिकता में रखे गए केवल पहले से पंजीकृत लोगों को ही टीका लगाया जाएगा।

कोरोना के कारण समय से पहले शुरू हो सकता है बजट सत्र

संसदीय कार्य मंत्री ने स्पीकर को लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली। देश में किसानों का आंदोलन और कोरोना का संक्रमण साथ-साथ जारी है। इस बीच खबर आ रही है कि संसद का बजट सत्र अगले वर्ष समय से पहले शुरू हो सकता है, लेकिन बजट अपने तय समय यानी एक फरवरी को ही पेश किया जाएगा। इसको लेकर मंत्रालयों में तैयारी भी शुरू कर दी गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के संसद सत्र जनवरी के अंतिम सप्ताह में शुरू हो सकता है। इसको लेकर संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने स्पीकर ओम बिरला को एक चिट्ठी भी लिखी है। आपको बता दें कि कोरोना संक्रमण के कारण संसद का शीतकालीन सत्र नहीं हो पाया है, इस कारण से बजट सत्र को एक सप्ताह पहले शुरू किया जा सकता है।

आम बजट के लिए वित्त मंत्रालय ने शुरू की तैयारी-देश में वित्त वर्ष 2021-22 के लिए आम बजट पर काम शुरू हो गया है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को इस बारे में उद्योगजगत के प्रतिनिधियों के साथ मुलाकात कर उनके सुझाव जाने। उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने सरकार से आने वाले साल में स्वास्थ्य और इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च बढ़ाने के सुझाव दिए। साथ ही उन्होंने ये भी मांग की 3-4 सरकारी बैंकों को छोड़कर बाकी में सरकार अपनी हिस्सेदारी बेचकर 50 फीसदी से नीचे ले आए। कंफडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज यानि सीआईआई की तरफ से सरकार को विनिवेश के जरिए राजस्व बढ़ाने की दिशा में सुझाव दिए गए हैं। हिंदुस्तान को मिली जानकारी के मुताबिक सीआईआई के प्रेसिडेंट उदय कोटक ने वित्तमंत्री से मांग की कि बजट में देश की जीडीपी ग्रोथ बढ़ाने के साथ साथ राजकोषीय प्रबंधन पर भी सरकार का फोकस होना चाहिए।

कर्नाटक विधान परिषद में तार-तार हुई सदन की मर्यादा

कांग्रेस एमएलसी ने स्पीकर को कुर्सी से खींचा

बेंगलुरु। कर्नाटक विधान परिषद में सदन की मर्यादा उस समय तार-तार हो गई, जब कांग्रेस एमएलसी ने जबरदस्ती विधान परिषद के अध्यक्ष को कुर्सी से उतार दिया। इस मामले में कांग्रेस एमएलसी प्रकाश राठौड़ ने कहा कि बीजेपी और जेडीएस ने जब सदन ऑर्डर में नहीं था, तब गैरकानूनी तरीके से चेयरमैन बना दिया। उन्होंने कहा कि बीजेपी के द्वारा यह असंवैधानिक काम करना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस ने उन्हें चेयर से नीचे उतरने को कहा। हमें उन्हें कुर्सी से उतारना पड़ा, क्योंकि यह अवैध था। इस घटना के बाद सदन की कार्यवाही को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सी एम इब्राहिम ने जनता दल (सेकुलर) के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा से सोमवार को मुलाकात की, जिसके बाद

इब्राहिम के जल्द ही कांग्रेस छोड़ने की अटकलें शुरू हो गयीं। कुछ दिन पहले ही कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने विधान परिषद सदस्य इब्राहिम से मुलाकात की थी। खबरों के मुताबिक शिवकुमार ने उनसे पार्टी नहीं छोड़ने का आग्रह किया था। जेडीएस विधायक दल के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी ने सात दिसंबर को इब्राहिम के घर जाकर उनसे मुलाकात की थी और पार्टी में लौटने का न्योता दिया था। कुमारस्वामी, जेडीएस विधायक आर मंजूनाथ और पार्टी नेता सुरेश बाबू आज की बैठक में उपस्थित थे। सूत्रों ने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा के आवास पर आज हुई बैठक में नेताओं ने इब्राहिम के पार्टी में शामिल होने की संभावना और आगे के राजनीतिक घटनाक्रम पर चर्चा की। सूत्रों के अनुसार इब्राहिम की नजर जेडीएस के प्रदेश अध्यक्ष के पद पर है।

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका, ऑनलाइन न्यूज चैनल, पोर्टल, एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ/रिपोर्टर

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यों के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।

सम्पर्क करें

जी.एस. प्लाजा सूर्य मंदिर रोड गोले का मंदिर, ग्वालियर मध्यप्रदेश

मो. 7879637585, 8770253710

Website-www.pushpanjalitoday.com

Email.- pushpanjalitoday@gmail.com

किसान आंदोलन में कनाडा के

प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को कूदना पड़ा भारी

> नए कृषि कानूनों के खिलाफ जारी किसानों के विरोध प्रदर्शन को लेकर की गई कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की टिप्पणी के बाद दोनों देशों के बीच संबंध खराब होते हुए नजर आ रहे हैं। पूरे मामले से वाकिफ लोगों ने बताया है कि भारत ने दोनों देशों के बीच होने वाली शीर्ष राजनयिक स्तर की बातचीत को रोक दिया है।

नई दिल्ली। भारतीय विदेश सचिव (पूर्व) रीवा गांगुली दास और कनाडाई समकक्ष के बीच मंगलवार (15 दिसंबर) को बातचीत होने की संभावना थी, जिसे भारत ने स्थगित कर दिया। इसके पीछे नई दिल्ली ने ओटावा को तारीख को लेकर असुविधा होने की बात कही है। इससे पहले, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पिछले हफ्ते कनाडा के विदेश मंत्री फ्रेंकोइस-फिलिप द्वारा आयोजित कोविड-19 के मंत्री-समन्वय समूह की बैठक को छोड़ दिया था। यह बैठक कोरोना वायरस के रणनीति को लेकर आयोजित की गई थी। भारत, जिसने समूह की पिछली बैठक में हिस्सा लिया था, ने 7 दिसंबर की बैठक से दूर रहने के लिए शिड्यूलिंग मुद्दे का हवाला दिया था। प्रधानमंत्री

ट्रूडो ने गुरु नानक की 551वीं जयंती के मौके पर आयोजित हुए वीडियो इंटेरैक्शन के दौरान भारत में हो रहे किसान आंदोलन का जिक्र किया था। उन्होंने प्रदर्शन के लिए चिंत जताते हुए कहा था कि कनाडा हमेशा शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकार के पक्ष में खड़ा रहेगा। कनाडा में लगभग 16 लाख लोग भारतीय समुदाय के हैं। इसमें से बड़ी संख्या में पंजाब के रहने वाले लोग हैं। कनाडा में तकरीबन सात लाख सिख आबादी रहती है। माना जा रहा है कि साल 2021 के चुनाव के लिए प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने किसान आंदोलन को लेकर बयानबाजी की थी। कनाडा की अन्य दो पार्टियां- न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के लीडर जगमीत सिंह और कंजर्वेटिव लीडर एरिन टूल पहले भी किसान आंदोलन का समर्थन जता चुके थे। कनाडाई प्रधानमंत्री की टिप्पणी के बाद नई दिल्ली ने कनाडा के राजदूत को समन किया था। भारत ने कहा था कि कनाडाई प्रधानमंत्री और कुछ कैबिनेट मंत्रियों द्वारा भारतीय किसानों को लेकर दिए गए बयान अस्वीकार्य हैं। यह भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप है। हालांकि, भारतीय अधिकारियों ने इस बात को भी बताया है कि दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंध राजनीतिक संबंधों की वजह से प्रभावित नहीं होंगे।

एक नजर....

ओबीसी महासभा (रजि.) राष्ट्रीय कोर कमेटी ओबीसी वैभव सिंह जी लोधी ओबीसी विजय कुमार जी ओबीसी अरविंद दांगी जी ओबीसी महेंद्र सिंह लोधी जी की सहमति से ओबीसी जितेंद्र (जीतू)लोधी जी की अनुशंसा पर प्रदेश महामंत्री ओबीसी डॉ बृजेन्द्र सिंह यादव रिजोदा जी के द्वारा..

ओबीसी म्रवि प्रजापति जी को जिला म्रउपाध्यक्ष ग्वालियर (म.प्र)।

नियुक्त होने पर बहुत-बहुत बधाई। आशा है आप समर्पण अनुशासन ईमानदारी पारदर्शिता के साथ समाज की समस्त जातियों के साथ सामंजस्य बनाकर संगठन द्वारा दी गई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का पूर्ण निर्वाहन करेंगे।

बैराड़ नगर परिषद की उदासीनता नगर की हाई मास्टर लाईट सहित स्ट्रीट लाइट बंद

धीरज ओझा पत्रकार

बैराड़ । नगर परिषद क्षेत्र के मुख्य बाजार सहित नगर के लगभग सभी वार्डों के भीतरी भाग में कई स्ट्रीट लाइट खराब पड़ी है। स्ट्रीट लाइट खराब रहने से सड़कों पर अंधेरा पसरा रहता है। इसके अलावा कई स्ट्रीट लाइट मरम्मत के लिए महीनों पहले ही नगर पर्षद के बिजली मिस्त्री खोल कर अपने साथ ले गये। उसे अब तक दुरुस्त कर नहीं लगाई जा सकी है। लोग नगर में रात के समय बाजार पहुंचते हैं। ऐसे में सड़कों पर अंधेरा पसरा रहने से लोगों को आवागमन में दिक्कत हो ही रही है, लूट जैसी समस्या का डर भी उन्हें सता रहा है।हालांकि अभी तक ऐसी कोई घटना सामने नही आई है पर आगे असामाजिक तत्वों की सक्रियता से इन्कार भी नहीं किया जा सकता है। लोगों को अंधेरा का भय हमेशा बना रहता है। स्थानीय लोगों ने खराब स्ट्रीट लाइटों को मरम्मत करा कर अंधेरा से मुक्ति दिलाने की मांग नगर परिषद से की है। ताकि नगर के बाजार जाने में भी कोई खतरा न हो।

प्रदेशाध्यक्ष स्वामी तेजानंद महाराज ने व्यापारीयों को परिचय-पत्र सुपुर्द कीये

नारायणलाल सैणचा सैणचा

चैन्नई–संगठन के प्रदेशाध्यक्ष महोदय स्वामी तेजानंद महाराज के द्वारा आज चैंगलपेट, एसपी कोविल, एम एम नगर,गुडुवांचेरी, उरापाक्कम और वंडलूर के क्षैत्रीय प्रभारीगणों को संगठन से जुडे सभी सदस्यों को आज परिचय-पत्र सुपुर्द किया गया तेजाराम एसपी कोविल,विमलराज परिहार गुडुवांचरी, कालूराम गौतम रतन लाल मंगल सहित अन्य गणमान्य नागरिक शामिल हुए हम स्वामी का तहे दिल से हार्दिक स्वागत करते हैं कि उन्होंने इस कोरोना काल में भी व्यापारियों के साथ थे व्यापारी के साथ हैं और व्यापारी के साथ आगे भी इसी तरह मदद करते रहेंगे हम की तरफ से स्वामी को हार्दिक स्वागत करते हैं तथा उनको बहुत-बहुत धन्यवाद देते हैं ताकि उनका आगे भी हमें मार्गदर्शन इसी तरह मिलता रहे वितरित किये गये परिचय-पत्र पर संबंधित व्यापारी का फोटो नाम पत्ता लाइसेंस नंबर अंकित हैं आने वाले कुछ समय में माननीय प्रदेशाध्यक्ष स्वामी के कर कमलों द्वारा संपूर्ण तमिलनाडु में संगठन से जुडे हर सदस्य व्यापारी तक यह परिचय-पत्र पहुंचा दिये जायेंगे

तिलवासनी के बाद लांबा गांव के ग्रामीणों की अनुठी पहल, नशा मुक्त गांव बनाने के लिए 36 कौम की आम बैठक में समाज सुधार के कही अहम निर्णय।

नारायणलाल सैणचा

बिलाड़ा– जोधपुर जिला के बिलाड़ा तहसील के लांबा गांव में सोमवती अमावस्या के दिन गांव में फैल रहे नशा प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए गांव के गवाड़ में 36 कौम के ग्रामीणों की बुलाई एक आम बैठक में नशा-मुक्त गांव बनाने के लिए कही अहम निर्णय लिए गये। बता दे कि इसी पखवाड़े में पास के गांव तिलवासनी में स्मैक बेचने व पीने पर पाबंदी लगाने के लिए 36 कौम के समाजिक निर्णय से प्रेरणा लेकर लांबा गांव के ग्रामीणों ने भी गांव व समाज को नशा-मुक्त बनाने के लिए सोमवार को रखी बैठक में बताया गया कि गांव के 36 कौम का कोई

व्यक्ति स्मैक बेचता है तो 11 हजार, पीने वाले पर 51 सौ रुपए, शराब बेचता हुआ पाये जाने पर 11 हजार, व पीने वाले से 21 सौ रुपये का आर्थिक दंड लिया जायेगा। एवं बिश्नोई समाज का कोई व्यक्ति जर्दा, गुटखा,बीड़ी, बिश्नोई समाज का व्यक्ति न तो दुकान पर रखेगा ओर न बेचेगा, अगर कोई ऐसा करता हुआ पाया जाता है तो 501 रुपए का आर्थिक दंड व दुकानदार पर 11 हजार रुपये का दंड ग्रामवासियों की ओर से लिया जायेगा।हर अमावस्या को होगी बैठक ग्रामीण बाबूलाल ईशराम ने बताया कि आज के बाद हर अमावस्या को गवाड़ में 36 कौम की आम बैठक होगी जिसमें आर्थिक दंड संशोधन भी किया जा सकेगा, एवं आर्थिक दंड राशी का उपयोग गांव के सार्वजनिक विकास कार्य में खर्च किया जायेगा। एवं किसी भी ग्रामीणो को अपनी समस्या व पीड़ा बताने का पुरा हक होगा। नशा प्रवृति के खिलाफ बोलने वाले व्यक्ति को किसी तरह का दबाव व धमकी देने वालो के खिलाफ अलग से आर्थिक दंड लगाने का प्रावधान भी रखा गया है। समाज सुधार की अनुठी पहल के मौके पर वर्तमान सरपंच घेवरराम, पंचायत समिति सदस्य शिवराम सारण, पुर्व सरपंच गोरधनराम ईशराम, पुर्व जिला परिषद सदस्य बिरबलराम, समाजसेवी श्रीराम लोल, रिटायर्ड व्याख्याता हरीराम इशराम, भीयाराम सारण, सहीत 36 कौम के मौजिज लोग उपस्थित थे।

इटावा मुख्यालय पर समाजवादी पार्टी का प्रदर्शन

इटावा। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर जिलाअध्यक्ष गोपाल यादव के नेतृत्व में जिला मुख्यालय पर ज्ञापन व धरना प्रदर्शन किया गया जिसमें पुलिस बल द्वारा गिरफ्तार किया गया अंशुल यादव जिला पंचायत अध्यक्ष इटाव और अनिल कुमार दोहरे लखना अखिल भारतीय दोहरे समाज संघ (प्रदेश प्रभारी), बंटू बाजपेई, रामकृष्ण राजपूत, सत्येंद्र दोहरे, जयवीर सिंह, अंकित दोहरे, सौरभ दोहरे, राहुल चौधरी, शिवम दिवाकर, प्रशांत यादव, भूपेंद्र दिवाकर, रोहित जाटव, जबर सिंह राजपूत, ब्रज मोहन राजपूत, ब्रजेश राजपूत, पदम तिवारी, योगेंद्र यादव, चंकी यादव, साहिल पोरवाल, राहुल चौधरी, पंकज सिंह, अश्वनी त्रिपाठी पूर्व चेयरमैन सतीश वर्मा सहित हजारों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आदिवासी युवक की हत्या कर गांव के बाहर फेंकी लाश

गांव के बाहर मिली युवक की लाश,परिजनों ने जताई हत्या की आशंका संदेही फरार

शिवपुरी। जिले के गोवर्धन थाना क्षेत्र के गाजीगढ़ में मंगलवार की सुबह गांव के बाहर सड़क किनारे एक युवक की लाश पड़ी होने की सूचना जैसे ही ग्रामीणों को मिली पूरे गांव में सनसनी फैल गई. ग्रामीणों ने जब पास में जाकर देखा तो लाश की शिनाखत गाजीगढ़ निवासी गोपाल पुत्र चरनू आदिवासी उम्र 32 वर्ष के रूप में हुई. मृतक के परिजनों ने इसकी सूचना गोवर्धन पुलिस थाने पर दी जिस पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की प्रथम दृश्यता हत्या की आशंका के चलते फॉरेंसिक एक्सपर्ट

और डॉग स्क्वायड की टीम को मौके पर बुलाकर जांच कराई गई. मृतक के बड़े भाई बलराम आदिवासी ने बताया कि सोमवार की रात करीब 8ः00 बजे मेरे छोटे भाई गोपाल आदिवासी को गाँव का ही अजमेर धाकड़ बुला कर ले गया गोपाल रात भर घर नहीं लौटा और सुबह गोपाल की लाश गाँव के बाहर सड़क किनारे पड़ी मिली. मृतक के मुंह से खून निकल रहा था वहीं गले पर साफी से फांसी लगाने जैसे निशान बने हुए हैं. परिजनों ने अजमेर धाकड़ पर हत्या करने का आरोप लगाया है. जबकि संदेही अजमेर धाकड़ गांव से फरार हो गया है. पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

क्राइम ब्रांच ग्वालियर ने 04 तस्करों को 50 किलो गांजा, सहित किया गिरफ्तार

ग्वालियर। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री अमित साँघीएभापुसे द्वारा अवैध मादक पदार्थो की बिक्री करने वाले बदमाशों के खिलाफजिले में चलाये जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अपराध श्री सतेन्द्र सिंह तोमर एवं डीएसपी क्राइम ब्रांच श्री रत्नेश सिंह तोमर तथा डीएसपी क्राईम श्री विजय भदौरियाको अवैध मादक पदार्थो की बिक्रीकरने वाले बदमाशों की धरपकड हेतु मुखबिर तंत्र विकसित करने के लिये निर्देशित किया गया था। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के परिपालन में तथा डीएसपीक्राईमध्यूनिवर्सिटी श्री रत्नेश तोमर एवं डीएसपी क्राईम श्री विजय भदौरिया के मार्गदर्शन में की जा रही कार्यवाही के दौरान दिनांक 14ध्12ध्2020 को क्राईम ब्रान्च ग्वालियर को जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि एक क्रेटा कार जिसमें कुछ व्यक्ति बैठे हुये है जो पनिहार तरफ से ग्वालियर की ओर आ रही है जिसमे अवैध गॉजा भरा है। उक्त सूचना पर थाना प्रभारी क्राइम बांच निरी0 दामोदर गुप्ता द्वारा क्राइम ब्रांच की टीमों को मुखबिर के बताये स्थान पर चैकिंग करने के निर्देश दिये। क्राइम बांच की टीमों द्वारा शीतला माता मंदिर तिराहा पर चैकिंग प्रारम्भ कीए कुछ देर बाद बेला की बावडी तरफ से मुखबिर के बताये नम्बर की एक क्रेटा कार आती दिखी। उक्त वाहन को रोक कर चैक किया गया तो उसमे चार व्यक्ति बैठे दिखे। क्रेटा कार की तलाशी लेने पर कार की डिग्गी में चार सफेद प्लास्टिक की बोरी रखी मिली जिनको खोल कर देखा गया तो उसमे गॉजा भरा हुआ था। तौल कराने पर प्रत्येक बोरी में 12 किलो 500 ग्राम गॉजा पाया गया कुल 04 बोरियों में50 किलो ग्राम गॉजा कीमती 05 लाख रूपये का जप्?त किया गया। आरोपियों का उक्त कृत्य धारा 08.20 एनडीपीएस एक्ट के तहत पाये जाने पर गिरफ्तार कर थाना क्राइम ब्रांचमें प्रकरण पंजीबद्ध कर मामला विवेचना में लिया गया।

अम्बाह विस्मिल जी के जीर्णोद्धार के लिए क्लीन ग्रीन टीम द्वारा एसडीएम राजीब समाधिया को दिया ज्ञापन...

केशब पंडित जी अम्बाह?

अम्बाह... आज क्लीन ग्रीन टीम द्वारा अमर शहीद पं. रामप्रसाद बिस्मिल शहीद स्मारक के जीर्णोद्धार के लिए एसडीएम को एक ज्ञापन सौंपा । जिसमें टीम ने स्मारक के जर्जर तथा उसके तल नीचे होने कारण उसमें बरसात मे कीचड़ और पानी भरना और असामाजिक तत्वों के नशे सेवन की बातो पर चर्चा की। और टीम ने साथ ही मांग की स्मारक का तल जमीन से 2.5 मी. ऊचा तथा उसकी बांउनंडरी उंची होनी चाहिए और उस पर एक टीन सेट लगाकर उसका पुनः जीर्णोद्धार की मांग की। जिसमें टीम सदस्य शेखर माथुर जी, पवन शर्मा जी, ब्रजकिशोर कुशवाह जी, देवउतम उपाध्याय जी आदि साथी मौजूद रहे।

भिंड पुलिस को फेसबुक पर पोस्ट कर सलीम नामक युवक ने लगाया आरोप कहा पुलिस वाले मित्र हैं इसीलिए

बेखौफ तरीके से युवक बेच रहे मोहल्ले में अवैध हथियार

अनिल पारासर पुष्पांजलि टुडे क्राइम रिपोर्टर

भिंड। इन दिनों भिंड जिले में सोशल मीडिया के हत्थे भिंड पुलिस विभाग चढ़ा हुआ है एक युवक द्वारा फेसबुक पर पोस्ट डाल कर खुलेआम पुलिस विभाग के कर्मचारियों पर आरोप लगाया है। सलीम खान नामक युवक ने अपने फेसबुक अकाउंट पर पोस्ट करते हुए कहा है कि वार्ड नंबर 16 में एक युवक कट्टा पिस्तौल बेचता है। पुलिस विभाग के कुछ लोग हथियार बेचने वाले युवक के दोस्त है इसलिए पुलिस उसका कुछ नहीं बिगाड़ती वह बेखौफ हथियारों को सेल करता है। सलीम खान नामक युवक द्वारा अपने फेसबुक अकाउंट पर हथियार बेचने वाले युवक सहित हथियारों का फोटो शेयर करते हुए लिखा है कि ÷यह गौरी रोड भिंड में पिस्तौल एवं कट्टा सेल करता है वार्ड नंबर 16 में कुछ पुलिस विभाग के लोग इसके दोस्त हैं इसीलिए कुछ भी इसका नहीं होता है। हैरत कर देने वाली बात तो यह है कि रास्ता चाहे जो भी हो, पर शहर में दूसरे प्रांतों से हथियारों की बड़ी खेप लगातार पहुंच रही है। इसी का नतीजा है कि यहां हर महीने कट्टा या कोई हथियार बरामद हो रहा है और पुलिस कार्रवाई के नाम पर केवल आर्म्स एक्ट की धाराएं लगाकर बैठ जाती है। यह जानने की कोशिश नहीं की जाती कि ये हथियार कहां से आ रहे हैं और इस अवैध कारोबार में कौन लोग शामिल हैं। पुलिस ने कभी जड़ तक पहुंचने की कोशिश नहीं की इसी का नतीजा है कि आए दिन शहर व देहात थाना सहित जिले के अन्य थाना क्षेत्रों में अवैध हथियारों से

घटना घटित हो रही है और आम लोगों में दहशत फ़ैल रही है इसका असर पुलिस अधीक्षक की लोकप्रियता पर भी पड़ रहा है

इनका कहना है

मामला अभी संज्ञान में आया है जांच करवा कर कार्यवाही करूंगा।

आनंद राय सीएसपी भिंड

डीएम, एसएसपी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस एटा सदर में सुनी जनसमस्याएं

एटा। मंगलवार को कोविड-19 की गाइडलाईन के अनुरूप जनपद की तीनो तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। डीएम सुखलाल भारती एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार सिंह ने तहसील एटा सदर में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जनता की समस्याओं को सुना। डीएम, एसएसपी ने निर्देश दिए कि जनता की समस्याओं का त्वरित गति से पूर्ण गुणवत्ता के साथ निस्तारण किया जाए। जनता की शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतते हुए शासन की मंशानुरूप निस्तारण पर जोर दिया जाए। उन्होंने इस दौरान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एडीएम प्रशासन विवेक कुमार मिश्र ने तहसील जलेसर, तहसील अलीगंज में तहसील स्तरीय, ब्लाक स्तरीय अधिकारियों की मौजूदगी में सम्पूर्ण समाधान दिवस में जनता की समस्याओं को सुना गया। इस दौरान तहसील सदर में कुल 102 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से 17 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। जलेसर तहसील में 34 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें 02 का निस्तारण किया गया, इसके अलावा अलीगंज में 37 में से 03 का मौके पर निस्तारण किया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान मुख्य विकास अधिकारी अजय प्रकाश, एसडीएम सदर अबुल कलाम, डीडीओ एसएन सिंह कुशवाह, बीएसए संजय सिंह, समाज कल्याण अधिकारी रश्मि यादव, तहसीलदार दुर्गेश यादव, नायब तहसीलदार रवेंद्र प्रताप सिंह सहित अन्य अधिकारी, क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी, खंड विकास अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी व फरियादी उपस्थित रहे।

श्री चेतराम सिंह इंटर कालेज में हुआ खेलों का आयोजन

एटा युवा समाज कल्याण विभाग एटा द्वारा ग्राम पंचायत नरौरा ब्लॉक अवागढ़ जनपद एटा के श्री चेतराम सिंह इंटर कॉलेज के ग्राउंड में ब्लॉक स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिताओ का आयोजन किया जिसका फीता काटकर सदस्य जिला पंचायत पप्पू दिवाकर द्वारा किया गया जिसमे कबड्डी , बॉलीबॉल, लंबीकूद, गोलाफेंक, इत्यादि खेलो में विभिन्न गांवो से आये पुनेहरा, नगला भक्ति,मण्डनपुर सिलामई, रेजुआ, नरौरा आदि गांव के खिलाड़ियों द्वारा भाग लिया गया जिसमे जिला क्रीड़ा अधिकारी द्वारा एवम पप्पू दिवाकर सदस्य जिला पंचायत द्वारा प्रमाणपत्र व मैडल देकर खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया मोके पर उपस्थित सोनू ठाकुर,पप्पू यादव,प्रवीण दिवाकर प्रधान नरौरा,रोशन खान,ज्ञानसिंह दिवाकर, डॉ अशोक कुशवाह,मुइउद्दीन खान,दिनेश पंडित,धर्मेंद्र चौहान आदि एवम समस्त ग्राम पंचायत वासियो का भरपूर सहयोग मिला एवम व्यवस्थाओ में सहयोग किया ।

विकास की योजना के कार्यों को आगे बढ़ाने की पहली प्राथमिकता रहेगी

रानी पाली नेनाराम सीरवी. राजस्थान पंचायत राज विभाग संस्थाओं के आम चुनाव 2020 की संपूर्ण चुनावी प्रक्रिया समाप्त होते ही जिले में हर जगह जगह अपने वार्ड क्षेत्र के प्रत्याशी और प्रत्याशी के समर्थकों का सम्मान करने की प्रक्रिया जोरों पर चल रही .रानी पंचायत समिति के नवनिर्वाचित वार्ड संख्या 2 के विजेता प्रत्याशी विक्रम कंवर राणावत के समर्थकों का रानी पंचायत समिति के ग्राम पंचायत.चाचोडी.के ग्रामीणों द्वारा गर्मजोशी से विजेता प्रत्याशी के समर्थकों का शानदार स्वागत किया गया. गांधी चौक में सामान्य पूर्वक आमसभा आयोजित करके वार्ड संख्या 2 के निर्दलीय विजेता प्रत्याशी के प्रतिनिधि दुर्जन सिंह राणावत गंगा सिंह राणावत और समस्त राणावत परिवार द्वारा संपूर्ण मतदाताओं का आभार जताया गया. जिसमें विजेता प्रत्याशी के समर्थक और राणावत परिवार के समर्थकों द्वारा संपूर्ण वार्ड क्षेत्र के मतदाताओं को आश्वासन के तौर पर बताया गया कि विकास के योजना के कार्यों को आगे बढ़ाने को लेकर हमारी पहली प्राथमिकता रहेगी . और गरीब से गरीब वर्ग के परिवार की मदद करना विजेता प्रत्याशी की ओर से पहली प्राथमिकता रहेगी.गांधी चौक में ग्राम पंचायत सरपंच पूनम सिंह राजपुरोहित उपसरपंच जगाराम सीरवी शिक्षा विभाग के रिटायर्ड कर्मचारी दुर्गादासरानी पंचायत समिति के वार्ड संख्या 2 के भूतपूर्व पंचायत समिति सदस्य इंद्र सिंह राणावत रामलाल सरगरा एवं अन्य गणमान्य ग्रामीणों के उपस्थिति में वार्ड संख्या 2 के निर्दलीय प्रत्याशी के समर्थकों का डोर टू डोर समस्त ग्रामीणों द्वारा शानदार स्वागत किया गया.

सड़े आलुओं को कैंसर पैदा करने वाले

केमिकल से धोकर बना रहे थे चिप्स, लिए 19 नमूने

इंदौर। इंदौर (मप्र)। इंदौर के कलेक्टर मनीष सिंह के निर्देश पर मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत चिप्स बनाने वाली एक ऐसी फैक्ट्री में छापा मारा गया जहां की हालत देखकर इन्सान तो क्या जानवर भी शर्मा जाएं। सांवेर रोड के अवंतिका नगर स्थित सांवरिया फूड प्रोडक्ट फैक्ट्री में घुसते ही अजीब सी बदबू का सामना अधिकारियों को करना पड़ा, बदबू का आलम यह था कि मास्क पहनने के बाद भी नाक रूमाल से ढंकना पड़ा। यह बदबू उस बोरियों से आ रही थी जिसमें सड़े आलू भरे थे। आलुओं की हालत ऐसी थी कि इन्हें इंसान भी खाना तो दूर, जानवर तक देखकर मुंह फेर ले। आलू से निकलने वाली गंदगी के कारण बोरियां तक गल गई थीं। हालांकि आलू के बाद जब चिप्स देखने की बारी आई, तो यकीन ही नहीं हुआ कि यह चमकदार और क्रिस्पी चिप्स इन्हीं आलू से बनी होंगी। सड़े आलू से बनी चिप्स को सजाने के लिए फैक्टरी में हाइड्रो पाउडर का उपयोग हो रहा था। यह पाउडर स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

एडीएम अभय बेड़ेकर ने बताया कि कारखाने में प्रवेश करते ही टीम हैरान रह गई। पूरा कारखाना अजीब सी दुर्गंध

से भरा हुआ था। यह दुर्गंध सड़े आलुओं की थी, जिन्हें केमिकल से वॉश कर चिप्स तैयार की जा रही थी। यहाँ एसआरडी चिप्स के नाम पर कई फ्लेवर में चिप्स तैयार किया जाता है। इसके बाद उन्हें पैकिंग कर मार्केट में बिक्री के लिए भेजा जाता है। कारखाने से करीब डेढ़ हजार क्विंटल सड़ा आलू और केमिकल बरामद किया गया। एडीएम ने बताया कि कारखाने का संचालन रतन कुमावत पिता सुखलाल कुमावत कर रहा है, जबकि कारखाने का मालिक सुखलाल कुमावत है। सांवरिया फूड पर जिस केमिकल से सड़े गले आलुओं को धोया जा रहा था, वह खाने योग्य नहीं है। यह हाइड्रो पावडर है, जिसका उपयोग अन्य कामों के लिए किया जाता है; इससे कैंसर जैसी घटक बीमारी होने का भी खतरा है। हाइड्रो पाउडर नॉन एडिबल है, जिससे आलू धोया जा रहा है, जो अनसेफ श्रेणी में आता है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम जब कारखाने पहुंची तो गेट पर अंदर से ताला लगा हुआ था। खटखटाने पर अंदर से जवाब आया कि चाबी नहीं है। अधिकारियों ने एडीएम अभय बेडेकर को स्थिति बताई। तब बाणगंगा थाना पुलिस की मदद ली गई और दीवार कूदकर ताला तोड़कर अधिकारी कारखाने के अंदर पहुंचे। कारखाना मालिक सुखलाल कुमावत गायब मिला, लेकिन उसकी पत्नी और बेटा रतन कुमावत अंदर ही कर्मचारियों से काम करवा रहे थे। खाद्य सुरक्षा अधिकारी धर्मेंद्र सोनी, सुभाष खेड़कर, पुष्पक द्विवेदी, राजू सोलंकी, कीर्ति रावत ने दोपहर से लेकर रात 11 बजे तक यहां कार्रवाई कर जांच के लिए 19 नमूने लिए। इसमें आलू चिप्स, तेल, हाइड्रो पावडर, चना दाल, मसाले आदि शामिल हैं।

आधी रात को घर में घुसे बदमाशों ने बच्चों पर तमंचा तान मां-बाप के हाथ-पैर बांधे, लूट ले गए सारा सामान

ललितपुर। ललितपुर में उबेहट के तरगुंवा रेलवे फाटक के पास सोमवार रात तीन बदमाशों ने बच?चों पर तमंचा तान कर दो घरों में लूट की वारदातों को अंजाम दिया। नींद से जागे परिवार के बदमाशों ने हाथ-पैर बांध दिए। इसके बाद घर में जमकर लूटपाट मचाई। दोनों घरों से कुल मिलाकर करीब 10 लाख रुपए का सामान समेट ले गए।मिली जानकारी के अनुसार तालबेहट स्थित तरगुंवा रेलवे गेट निवासी रामखिलावन और पड़ोसी कपूर सिंह के मकान में मध्य रात्रि तीन बदमाश घुसे थे। बदमाशों की आहट सुनकर गृहस्वामी जाग गए। जिस पर बदमाशों ने तमंचे लहरा कर बच्चों को गोली मारने की धमकी देकर हाथ-पैर बांध दिए। इसके बाद पूरे इत्मिनान से घटना को अंजाम दिया। पीड़ितों ने बताया कि तीन बदमाश घर में घुसे जिनमें से दो के पास तमंचे थे। नींद से जागने पर बदमाशों ने बच्चों को जान से मारने की धमकी दी और उन लोगों के हाथ-पैर बांध दिए थे। वे चुपचाप सब कुछ देखते रहे, उनके सामने बदमाश लूटपाट करते रहे।

महाविद्यालयों में एक जनवरी से शुरू की जाएं प्रैक्टिकल क्लासेज: शिवराज सिंह चौहान

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंत्रालय में आयोजित उच्च शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान महाविद्यालयों में एक जनवरी, 2021 से प्रैक्टिकल क्लासेज का संचालन करने के निदेर्श दिए हैं। आधिकारिक जानकारी में चौहान ने कहा कि कोविड-19 की गाइड-लाइन को ध्यान में रखते हुए 50 प्रतिशत क्षमता के साथ सामाजिक दूरी का पालन करते हुए तीन-तीन दिन के लिए बैच निर्धारित कक्षाएं शुरू की जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा

कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं दिलाई जाएं। उन्होंने कहा कि व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा दिया जाएं, ताकि विद्यार्थियों को रोजगार प्राप्त करने एवं अपना व्यवसाय स्थापित करने में आसानी हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि 200 शासकीय महाविद्यालयों का इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने की कार्यवाही शुरू की जाए, जिससे विद्यार्थियों को वचुर्अल लर्निंग एवं स्मार्ट क्लॉस-रूम जैसी सुविधाएँ मिल सकें। उन्होंने कहा कि 100 से कम विद्यार्थी संख्या वाले 51 शासकीय महाविद्यालयों को निकटस्थ बड़े महाविद्यालयों में विलय करने पर विचार किया जायेगा। उन्होंने कहा कि 37 निजी विश्वविद्यालयों पर नियंत्रण रखने की जिम्मेदारी सरकार की है। उन्होंने कहा कि भवनविहीन महाविद्यालयों के लिये किराये से भवन लेने पर विचार किया जाएगा। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने विभागीय गतिविधियों की जानकारी देते हुए कहा कि 73 प्रतिशत विद्यार्थी शासकीय महाविद्यालयों में प्रवेशरत हैं। इस वर्ष 4.37 लाख विद्यार्थियों ने स्नातक एवं 1.30 लाख विद्यार्थियों ने स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश लिया है।

कोरोना वायरस संक्रमण के 1058 नए मामले, 8 और लोगों की मौत

भोपाल। मध्य प्रदेश में सोमवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 1,058 नए मामले सामने आए और इसके साथ ही प्रदेश में इस वायरस से अब तक संक्रमित हुए लोगों की कुल संख्या 224,636 तक पहुंच गई है। राज्य में पिछले 24 घंटों में इस बीमारी से आठ और व्यक्तियों की मौत की पुष्टि हुई है जिससे मरने वालों की संख्या 3412 हो गई है। मध्य प्रदेश के एक स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया, पिछले 24 घंटों में प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण से इंदौर में तीन, भोपाल में दो और खरगोन, मंदसौर एवं मंडला में एक-एक मरीज की मौत की पुष्टि हुई है। उन्होंने बताया, राज्य में अब तक कोरोना वायरस से सबसे अधिक 814 मौत इंदौर में हुई हैं, जबकि भोपाल में 543, उज्जैन में 101, सागर में 145, जबलपुर में 229 एवं ग्वालियर में 188 लोगों की मौत हुई हैं। बाकी मौतें अन्य जिलों में हुई हैं। अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में सोमवार को कोविड-19 के 402 नये मामले इंदौर जिले में आये, जबकि भोपाल में 203, ग्वालियर में 42 और जबलपुर में 43 नये मामले आए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कुल 2,24,636 संक्रमितों में से अब तक 2,08,421 मरीज स्वस्थ होकर घर चले गये हैं और 12,803 मरीज़ों का इलाज विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है। उन्होंने कहा कि सोमवार को 1,084 रोगियों को ठीक होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

MPBSE 10th 12th की क्लासेज 18 दिसंबर से संचालित होंगी: स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री

भोपाल। मध्यप्रदेश के स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) इंदर सिंह परमार ने कहा है कि कक्षा 10 वीं और 12 वीं के विद्यार्थियों के लिए स्कूल आगामी 18 दिसंबर से नियमित रूप से पूरे निर्धारित समय तक के लिए संचालित होंगी। यह निर्णय बोर्ड की परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। परमार ने मंत्रालय में स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने इसके अलावा कक्षा 9वीं एवं 11वीं के लिए विद्यार्थियों के नामांकन और उपलब्ध अध्यापन कक्ष के आधार पर प्राचार्य द्वारा स्थानीय स्तर पर कक्षाओं के संचालन पर निर्णय लिया जा सकेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा चार दिसंबर को की गई विभागीय समीक्षा के दौरान दिए गए निदेर्शों पर की गई विभागीय तैयारियों और कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी ली। परमार ने आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के रोड मैप अंतर्गत विभागीय डैशबोर्ड और कार्ययोजना को समयबद्ध तरीके से संचालित करने के निदेर्श दिए। श्री परमार ने निदेर्श दिए कि नई शिक्षा नीति के अनुसार बच्चों का पाठ्यक्रम तैयार करें। दूरस्थ क्षेत्रों और जनजाति क्षेत्रों में आने वाली कठिनाइयों को ध्यान में रखकर योजना तैयार करें। परमार ने निदेर्श दिए कि अनुकम्पा नियुक्ति के प्रकरणों को ऑनलाइन एजुकेशन पोर्टल पर दर्ज कराने की सुविधा दे और ऑनलाइन निगरानी कर प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करे। एक वर्ष से अधिक समय से लंबित विभागीय जांच प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के लिए समयबद्ध कार्य योजना बनाएं।

गांवों में पंचायत चुनाव की तैयारी प्रचार कर रहे ग्राम प्रधान उम्मीदवार

कन्नौज। यूपी में पंचायत चुनाव अभी घोषित नहीं हुए हैं। मगर अप्रैल, मई में चुनाव होने के आसार हैं। इसी को देखते हुए सियासी दलों की गांव तक सक्रियता बढ़ गई है। बसपा को छोड़कर भाजपा, सपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी भी चुनावी रण में उतरने के लिए बेचैन दिखाई पड़ रही है। यही वजह है कि गांव में किसी न किसी बहाने से पार्टी नेताओं ने दस्तक देना शुरू कर दिया है। हालांकि यह काम पिछले कई महीनों से चल रहा है। वोटर बनाने के लिए भी राजनैतिक दल पूरी तौर पर सक्रिय रहे। जिले की 594 ग्राम पंचायतों, 30 जिला पंचायत वार्डो और 700 क्षेत्र पंचायत सदस्य पद के लिए चुनाव होना है।

सबसे अधिक यदि देखी जाए तो गहमा गहमी प्रधान और जिला पंचायत सदस्य पद के लिए है। दोनों ही पदों के पीछे कहीं न कहीं आर्थिक लाभ छिपा है। यही वजह है कि इन दोनों पदों के लिए सियासी दलों ने भी प्रतिष्ठा अभी से लगाना शुरू कर दिया है। सत्तारुढ दल की ओर से तो इस बार ऐन केन प्रकारेण जिला पंचायत के अध्यक्ष पद की कुर्सी पर कब्जा करने की रणनीति है। इसके लिए ही पूरी जमीन तैयार की जा रही है। जिले के जो 30 जिला

पंचायत के वार्ड हैं इन सभी में ऐसे चेहरों को देखा जा रहा है जो कि जिताऊ के साथ ही टिकाऊ हों और मौका पड़ने पर पाला बदलने की स्थिति में न हों तो वहीं समाजवादी पार्टी भी पीछे नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों में माहौल को भांपकर ही प्रत्याशियों को उतारे जाने की तैयारी चल रही है। इसमें पुराने चेहरों के अलावा नए चेहरों को भी देखा जा रहा है। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी संजय सिंह के यहां आने के बाद पार्टी के कार्यकर्ता पंचायत चुनाव को लेकर कुछ ज्यादा ही फिक्रमंद हो गए है। पार्टी कीओर से पहले ही एलान किया गया है कि चुनाव में कार्यकर्ता किस्मत आजमाएंगे और जीतेंगे भी। कांग्रेस पहले से ही न्याय पंचायत स्तर पर बैठकें कर रही है। बूथों पर सक्रियता बढ़ाने के पीछे कहीं न कहीं पंचायत चुनाव का भी कारण जुड़ा है। वोटर बनवाने को लेकर जिस तरीके से खासतौर पर सत्तारुढ़ दलने सक्रियता दिखाई उससे यही अंदाजा लग रहा है कि यह चुनाव पार्टी ने प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाया है। सहकारिता की भांति इस चुनाव में विरोधियों का पत्ता साफ करने की तैयारी की जा रही है। चुनाव को लेकर न्याय पंचायत, ब्लाक स्तर पर लगातार बैठकें भी चल रही हैं।

यूपी में बड़े स्तर पर ट्रांसफर की तैयारी 72 हजार शिक्षकों के हो सकते हैं तबादले

लखनऊ। सरकारी प्राइमरी स्कूलों में 72 हजार से ज्यादा ऐसे शिक्षक हैं, जो सरप्लस हैं। सरप्लस यानी कि वहां तैनात हैं, जहां उनकी जरूरत ही नहीं। शिक्षा का अधिकार कानून लागू हुए नौ साल से ऊपर हो गया लेकिन अब भी आरटीई के मानकों के मुताबिक शिक्षकों की तैनाती स्कूलवार नहीं हो पाई है। अब बेसिक शिक्षा विभाग इन सरप्लस शिक्षकों को पहले अंतरजनपदीय तबादले और इसके बाद जिलों में तबादलों व समायोजन के जरिए मानकों के मुताबिक तैनाती करने की मशक्कत कर रहा है। इसमें ऑनलाइन व्यवस्था मददगार साबित हो सकती है क्योंकि विभाग में सरप्लस शिक्षकों का मुद्दा नया नहीं है। केंद्र सरकार ने यूपी के सरकारी स्कूलों में तैनात 72,353 शिक्षकों को सरप्लस बताते हुए कहा है कि इनकी तैनाती नियमों के मुताबिक की जाए। आरटीई के मानकों के मुताबिक कक्षा एक से 5 तक 30 बच्चों पर एक शिक्षक का नियम है। वहीं जूनियर स्कूलों में 35 बच्चों पर एक शिक्षक का नियम बनाया गया है, लेकिन प्रदेश में कई स्कूल ऐसे हैं, जहां शिक्षक तो 6-7 तैनात हैं लेकिन बच्चे 100 से ज्यादा नहीं है। ज्यादातर शहरी स्कूलों और शहर से सटे ग्रामीण स्कूलों में शिक्षकों की संख्या ज्यादा है। जब प्रदेश में आरटीई लागू हुआ तो स्कूलों में नामांकन का खेल चलने लगा। एक ही बच्चा आसपास के सभी स्कूलों में पंजीकृत किया जाने लगा। इससे निपटने के लिए सरकार ने नामांकित बच्चों की जगह मिड डे मील खाने वाले बच्चों की संख्या के मुताबिक तैनाती का नियम बनाया लेकिन अनुपात सही करने में विभाग असफल रहा है। इससे पहले भी सरप्लस शिक्षकों का मुद्दा उठता रहा है लेकिन विभाग लाख कोशिशों के बाद भी इसे सही नहीं कर पा रहा है क्योंकि भर्तियों के समय बागपत का अभ्यर्थी भी श्रावस्ती में नियुक्ति ले लेता है लेकिन तीन साल बाद जोर-जुगाड़ के सहारे वह अपने जिले में तबादला लेकर पहुंच जाता है। इसके चलते हमेशा असंतुलन की स्थिति बनी रहती है।

रेडीमेड गारमेंट के कारोबारियों को लुभाने लगी सीएम की सिटी, कई ने गीडा से मांगी जमीन

गोरखपुर। एक जिला-एक उत्पाद'में रेडिमेड गारमेंट के चयन के बाद परदेश में उद्योग लगाने वाले स्थानीय उद्यमियों की घर वापसी का मार्ग प्रशस्त हो गया है। लुधियाना, गुजरात से लेकर मुंबई में कारोबार कर रहे उद्यमी फैक्ट्री स्थापित करने के लिए गीडा से जमीन की मांग की है। लुधियाना में काम कर रहे तीन उद्यमी यहां जिंस की फैक्ट्री शुरू करने की कोशिश में है। ऐसा होता है तो गोरखपुर में पहली बार अच्छी क्वालिटी का जिंस बनेगा और विदेशों को निर्यात होगा। एक जिला-एक उत्पाद में रेडीमेड गारमेंट शामिल होने के बाद ऐसे उद्यमियों को खासा उत्साह है जो मुंबई, गुजरात, पंजाब जैसे स्थानों पर कारोबार कर रहे हैं। मुंबई में ब्रांडेड कंपनियों के लिए एक्सपोर्ट का माल तैयार करने वाले अरशद भी गीडा में जमीन की तलाश कर रहे हैं। अरशद का कहना है कि मुंबई में ब्रांडेड कंपनियों का ऑर्डर पूरा करता था। ये कंपनियां यूरोपियन देशों को जिंस का सप्लाई करती थी। जिंस उत्पादन का सारा तकनीक जानता हूं। जमीन मिले तो गोरखपुर से ही यूरोप और अमेरिका को जिंस का निर्यात होगा। इसी तरह दक्षिण भारत में करोड़ों रुपये की फैक्ट्री लगाने वाले हरिबंश तिवारी भी गीडा में जमीन की तलाश कर रहे हैं। उन्हें लिंक एक्सप्रेस के औद्योगिक गलियारे में जमीन की तलाश है। इसी तरह पिपरौली इश्तियाक भी 50 लाख रुपये के निवेश से रेडीमेड गारमेंट की फैक्ट्री लगाने की तैयारी में है।

किसान आंदोलन के बीच बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष का ऐलान

कार्यकर्ताओं के दम पर 2022 का चुनाव लड़ेगी भाजपा

बरेली। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि किसानों के मुद्दे पर सपा कांग्रेस झूठ बोल रही है। किसानों को गुमराह किया जा रहा है। बिल किसानों का हितैषी है। इसको लेकर भाजपा यूपी में किसान पंचायत करने जा रही हैं। 2022 का चुनाव भाजपा कार्यकर्ता और संगठन के दम पर लड़ेगी। इसकी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह सोमवार को आईएमए में हाल में बरेली समेत सात जिलों के नव नियुक्त क्षेत्रीय टीम समेत पदाधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। उन्होंने मंडल स्तरीय पदाधिकारियों के साथ बातचीत कर पंचायत और आने वाले चुनाव की रणनीति तैयार की।

पत्रकारों से बातचीत में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पूरे प्रदेश में कहीं भी किसान विरोध नहीं कर रहे हैं। कुछ राजनीतिक पार्टियों के लोग अफवाह फैला रहे हैं। किसानों को गुमराह करने का काम कर रहे हैं। कांग्रेस और सपा दोनों पार्टियां किसान बिल को लेकर झूठ बोल रही हैं। भाजपा ने इसकी पूरी तैयारी कर ली है। मुख्यमंत्री ने इसको लेकर किसान पंचायतें शुरू कर दी हैं। पूरे प्रदेश में भाजपा पदाधिकारी किसानों के बीच जाकर उनको किसान बिल के बारे में सही जानकारी दे रहे हैं। जिससे कि अफवाहों का खंडन किया जा सके। आईएमए हाल में बरेली, बदायूं, शाहजहांपुर व आंवला, पीलीभीत के मंडल प्रभारी मौजूद थे। इस अवसर पर प्रदेश सहमहामंत्री संगठन कर्मवीर सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष रजनीकांत माहेश्वरी, हर्षवर्धन आर्य, जिलाध्यक्ष पवन शर्मा, महानगर अध्यक्ष केएम अरोरा, आंवला अध्यक्ष वीर सिंह पाल, संजीव अग्रवाल, रविन्द्र सिंह राठौर, रजनीश पांडेय, गुरुभाग सिंह, संजीव शर्मा, आदेश प्रताप सिंह, डा. विनोद पागरानी, प्रदीप पुष्कर, अंकित माहेश्वरी, राज अग्रवाल, बंटी ठाकुर, अभय चौहान, रुद्र लक्ष्मीकांत अवस्थी समेत चारो जिलों के पदाधिकारी मौजूद थे।

नए साल में कार्यकर्ताओं को मिलेगा मोर्चा के संगठनों का तोहफा-भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि एमएलसी चुनाव की वजह से पार्टी संगठन के पदाधिकारी व्यस्त थे। अब जल्दी ही जिलों में युवा मोर्चा महिला मोर्चा समेत अन्य मोर्चा का गठन किया जाएगा। जल्द ही पदाधिकारियों की घोषणा की जाएगी।

सपा, कांग्रेस में परिवार वाद, भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी-कर्मवीर-भाजपा के प्रदेश सह महामंत्री संगठन कर्मवीर सिंह ने कहा कि सपा और कांग्रेस एक परिवार की पार्टी हैं। भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है। हमारे लिये हमारा कार्यकर्ता सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि हमारा मंडल प्रभारी अनुभवी कार्यकर्ता है, सभी मंडल प्रभरियों का दायित्व कार्यकर्ताओं का निर्माण और संगठन को मजबूत बनाना है। क्षेत्र के सभी वर्ग व समाज के लोगो को जोड़ना है।

पीसीएस अधिकारी शादी के अगले दिन रेप के आरोप में गिरफ्तार पीड़िता ने लगाए गंभीर आरोप

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक पीसीएस अधिकारी को उसकी शादी के अगले ही दिन पुलिस ने रेप के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। अधिकारी पर एक लड़की ने शादी का झांसा देकर रेप करने का आरोप लगाया है। लड़की का आरोप है कि आरोपी पिछले तीन साल से उसके साथ रेप कर रहा है। 12 दिसम्बर को उसने किसी अन?य लड़की से शादी कर ली। लखनऊ में शादी का झांसा देकर प्रेमिका से 3 साल तक दुष्कर्म करने के आरोप में पीसीएस अधिकारी को शादी के अगले दिन गिरफ़्तार किया गया। पीड़िता की शिकायत पर आशियाना थाना पुलिस ने दुष्कर्म, धमकी और आपराधिक साज़िश की धाराओं में एफआईआर दर्ज कर आरोपी को जेल भेजा- उत्तर प्रदेश पुलिस आरोपी अनुराग रंजन पीसीएस 2018 बैच के चयनित उम्मीदवार हैं लेकिन अभी उन्हें तैनाती नहीं मिली है। उनके खिलाफ लखनऊ के आशियाना थाने में लड़की ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। लड़की का आरोप है कि उन्हें शादी का झांसा देकर अनुराग ने उनसे रेप किया। आशियाना पुलिस के अनुसार क्षेत्र के रुचि खंड निवासी अनुराग रंजन की शादी 12 दिसंबर को हुई थी। अगली सुबह वह जैसे ही दुल्हन को लेकर अपने घर पहुंचे उनकी प्रेमिका ने वहां पहुंचकर हंगामा शुरू कर दिया। उसने अनुराग पर शादी का झांसा देकर तीन साल तक रेप करने का आरोप लगाया। पीड़िता का कहना है कि अनुराग से उनकी मुलाकात 2017 में हुई थी। वह एक निजी अस्पताल में नर्स हैं। मूल रूप से बलिया की रहने वाली पीड़िता और अनुराग एक साथ कोचिंग करते थे। इसी दौरान दोनों की मुलाकात हुई। पीड़िता ने आरोप लगाया कि अनुराग ने उससे शादी का वादा किया। उन्हें झांसे लेकर 2017 से ही दुष्कर्म कर रहे हैं। कुछ महीने पहले निकले पीसीएस 2018 के परिणाम में अनुराग रंजन का चयन हो गया। इसके बाद उनकी शादी कहीं और तय हो गई। 12 दिसम्बर को उनकी शादी की जानकारी प्रेमिका को हुई तो उन्होंने अनुराग के खिलाफ दुष?कर्म, धमकी देने और आपराधिक साजिश करने के आरोप में एफआईआर दर्ज करवा दी। इस एफआईआर के आधार पर पुलिस ने अनुराग रंजन को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया।

योगी सरकार ने बनाया यह खास रिकॉर्ड, 25 लाख से ज्यादा किसानों को हुआ फायदा

लखनऊ। योगी सरकार ने प्रदेश के धान और गेहूं किसानों को सबसे अधिक भुगतान का रिकार्ड बनाया है। राज्य सरकार ने पिछले चार साल में प्रदेश के धान किसानों को 31904.78 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। प्रदेश में धान किसानों को सबसे अधिक भुगतान का यह एक रिकार्ड है। गेहूं किसानों को भुगतान के मामले में भी योगी सरकार ने पिछली सरकारों को बहुत पीछे छोड़ दिया है। चार साल के कार्यकाल में राज्य सरकार ने 33 लाख से ज्यादा गेहूं किसानों की फसल के लिए 29017.45 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। किसानों की फसल के दाने दाने का भुगतान करने के अपने संकल्?प पर योगी सरकार खरी उतरी है । खाद्य तथा रसद विभाग के ताजा आंकड़े इसके गवाह हैं । पिछली सरकार के बकाये समेत गन्ना किसानों को अब तक का सबसे अधिक भुगतान कर नया कीर्तिमान कायम करने वाली योगी सरकार ने अब धान और गेहूं के भुगतान का नया रिकार्ड बनाया है । राज्य सरकार ने 14 दिसंबर तक प्रदेश के गेहूं और धान किसानों को 60922.23 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। योगी सरकार ने चार साल में प्रदेश के धान और गेहूं किसानों को अब तक का सबसे अधिक भुगतान किया है । किसानों की फसल के दाने दाने का भुगतान करने की नीति के तहत राज?य सरकार ने कार्यकाल के पहले वर्ष 2017 -18 में 42.90 लाख मी.टन धान खरीद के लिए 6663.32 करोड़ रुपये का भुगतान किया । 2018-19 में 48.25 लाख

मी. टन के लिए 8449.39 करोड़ रुपये का भुगतान । वर्ष 2019-20 में 56.47 लाख मी . टन के लिए 10274.25 करोड़ और 2020-21 में 14 दिसंबर तक 34.86 लाख मी. टन धान खरीद के लिए किसानों को 6517.82 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया।

योगी सरकार ने 14 दिसंबर तक प्रदेश भर में अपने 14902 धान क्रय केंद्रों के जरिये कुल 179.48 लाख मी. टन धान खरीद की । राज्य सरकार ने 2529760 धान किसानों को अब तक कुल 31904.78 करोड़ रुपये का भुगतान किया है, जो कि प्रदेश में अब तक का रिकार्ड है। गेहूं खरीद के मामले में भी योगी सरकार ने जबरदस्त बढ़ोत्तरी दर्ज की है। खाद्य तथा रसद विभाग के 14 दिसंबर तक के आंकड़ों के मुताबिक योगी सरकार ने अपने चार साल के कार्यकाल में 3345065 किसानों से कुल 162.71 लाख मी. टन गेहूं की खरीद की। प्रदेश में सबसे ज्यादा 24256 क्रय केंद्रों के जरिये खरीदे गए गेहूं के लिए राज्य सरकार ने किसानों को कुल 29017.71 करोड़ रुपये का भुगतान किया है । धान और गेहूं किसानों को खाद्यान्न की सीधी और पारदर्शी त्वरित भुगतान प्रक्रिया के पीछे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों को बड़ा कारण माना जा रहा है। योगी सरकार ने किसानों को बेहतर कीमत देने के लिए सत्ता संभालने के साथ ही कई बड़े कदम उठाए । क्रय केंद्रों पर वर्षों से किसानों के साथ चली आ रही बिचौलियों की परंपरा को समाप्त करते हुए योगी सरकार ने किसानों से सीधे खरीद की प्रक्रिया शुरू की । ई उपार्जन पोर्टल बना कर किसानों को सीधे पंजीकरण की सुविधा दी गई ताकि बिचौलियों को बाहर किया जा सके। ई उपार्जन पोर्टल को राजस्व पोर्टल से लिंक कराया गया ताकि खतौनी के गाटा संख्या का आनलाइन सत्यापन किया जा सके । सीमांत एवं लघु किसानों को खाद्यान्न बेचने में कठिनाई न हो इसके लिए 100 क्विंटल तक खरीद को राजस्व विभाग के सत्यापन से मुक्त रखा गया और 100 क्विंटल से अधिक विक्री करने वाले किसानों को राजस्व विभाग से सत्यापन की सुविधा दी गई । लघु व सीमांत किसानों को खाद्यान्न बेचने के लिए दो दिन योगी सरकार ने आरक्षित किए। महिला किसानों को खाद्यान्न बेचने में योगी सरकार ने प्राथमिकता दी। गौरतलब है कि इससे पहले गन्ना किसानों को 111063.34 करोड़ रूपये का भुगतान कर योगी सरकार ने प्रदेश में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। अखिलेश सरकार के कार्यकाल में गन्ना किसानों के 10659.42 करोड़ रुपये के बकाये का भुगतान भी योगी सरकार ने किसानों को किया है ।

सम्पादकीय

शर्मनाक घटना

कर्नाटक के कोलार में आईफोन निर्माण करने वाले कारखाने में तोड़फोड़ और उसे लूटा जाना बहुत दुखद और शर्मनाक है। यह एक ऐसा अप्रिय व सनसनीखेज अपराध है, जिसकी गूंज दुनिया भर में होगी और भारत की छवि पर बट्टा लगेगा। ताईवान की कंपनी विस्ट्रोन के कोलार, कर्नाटक स्थित संयंत्र को इससे करीब 440 करोड़ रुपये का नुकसान बताया जा रहा है। कंपनी का कहना है कि न केवल तोड़फोड़ हुई है, बल्कि हजारों फोन लूटे गए हैं। पुलिस के साथ-साथ श्रम विभाग में शिकायत पहुंची है। कोलार जिले के नरसापुरा में स्थित विदेशी कंपनी का कारखाना जिस तरह से निशाना बनाया गया है, उससे निजी क्षेत्र की दूसरी कंपनियों के मनोबल पर भी असर पड़ेगा, लेकिन इस घटना को गंभीरता से लेते हुए इसके सभी पक्षों को ढंग से समझना जरूरी है। अव्वल तो पथराव करने वाले लोग कहीं बाहर से नहीं आए थे, कारखाने में काम करने वाले लोगों ने ही अपना गुस्सा निकाला है। कर्मचारी वेतन घटाए जाने या न मिलने से नाराज थे और देखते-देखते भीड़ में बदल गए। पहले अपनी ही कंपनी पर पथराव किया और उसके बाद तोड़फोड़ और लूट का दौर चला। कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें चार महीने से वेतन नहीं मिला है, जबकि कंपनी का कहना है, कर्मचारी ठेके के तहत आते हैं और एक अन्य कंपनी के तहत काम करते हैं। मोबाइल निर्माता कंपनी ठेका कंपनी को पूरे भुगतान करती रही है। कंपनी काफी बड़ी है, जिसमें सात-आठ हजार कर्मचारी काम करते हैं। ऐसे में, यह बात पहली नजर में ही साफ है, कंपनी का प्रबंधन सही तरीके से नहीं हो रहा था। देश में कोरोना के समय बहुत सी कंपनियां हैं, जहां कर्मचारियों की तनख्वाह घटी है, नौकरी छिनी है, लेकिन कहीं से भी ऐसी खबर अब तक नहीं आई थी। यह एक झटके की तरह है, जिससे संभलने में न केवल उस कंपनी, बल्कि स्वयं कर्नाटक के प्रशासन को समय लगेगा। बेशक, हिंसा या लूटपाट को कतई माफ नहीं किया जा सकता, जो भी उचित कार्रवाई है, उसे जल्द से जल्द अंजाम देकर दुनिया को दिखाने की जरूरत है कि भारत में यह घटना महज एक अपवाद है। बेशक, वेतन मांगने का यह तरीका स्वयं कर्मचारियों के लिए खतरनाक है, पर घटना की तह में जाकर देखना चाहिए कि कर्मचारियों की नाराजगी इतनी कैसे बढ़ गई? बगैर समय गंवाए उस ठेका कंपनी पर हमेशा के लिए रोक लगनी चाहिए। उसने अपनी अक्षमता से स्थिति को हिंसक स्तर पर पहुंचा दिया। साथ ही, किसी दूसरी या तीसरी कंपनी की मदद से कर्मचारी रखने वाली कंपनियों को भी सचेत हो जाना चाहिए। ध्यान रहे, अंततः मूल कंपनी का ही अपमान होता है और ब्रांड की छवि खराब होती है। दूसरी और तीसरी कंपनी से कर्मचारी लेकर चलने की चालाकी ढेर भी हो सकती है, जैसी कोलार में हुई है। जिम्मेदार कंपनियों को अपने नाम की चिंता अवश्य होनी चाहिए। आईफोन बनाने वाली यह कंपनी अगर पहले ही सजग रहती, तो कर्मचारियों का गुस्सा इस हद तक नहीं पहुंच पाता। इस घटना की रोशनी में भारत में तमाम औद्योगिक क्षेत्र को खुद पर सावधानी के साथ निगाह डाल लेनी चाहिए। जहां भी दूसरी या तीसरी कंपनी के जरिए नाराजगी पाली-पोसी जा रही है, वहां तत्काल सुधार के कदम उठाने की जरूरत है, ताकि कोलार जैसी घटना भारत में कभी और दोहराई न जाए।

बेबाक शख्सीयत इस्मत चुगताई

कभी-कभी किसी लेखक के विचार हमारे दिल को यूँ छू जाते है कि उनके बारे में जानने की ललक बढ़ जाती है और उनको पढ़ने की उत्कंठा सर उठाती है। ऐसी ही एक शानदार लेखिका इस्मत चुगताई जी को सौ सलाम। जैसे-जैसे उनको पढ़ती गई उनके प्रति सम्मान में झुकती गई। उस ज़माने में महिलाओं का स्थान बहुत ही पिछड़ा हुआ था ऐसे में अपने जज़्बे में आक्रोश भरकर शब्दों की सहायता से समाज को हिलाने का उनका साहस काबिले तारीफ़ है। आज 21 वीं सदी में भी साहित्य जगत में स्त्री विमर्श में लिखें हुए आलेखों को प्रमुखता दी जाती है। आज से 70 साल पहले स्त्रीयों के लिए सिमटे हुए साहित्य जगत में इस्मत चुगताई ने अपने विद्रोही लेखन से स्त्री विमर्श में लिखें लेखों से तहलका मचा दिया था। यही बात साबित करती है की वो अपने विचारों से उस ज़माने से कितनी आगे थी। उन्होंने अपनी कहानियों के द्वारा स्त्री चरित्रों को बेहद संज़ीदगी से उभारा है। हर एक पात्र मानों हर स्त्री की आम ज़िंदगी को छूता हुआ महसूस होता है गंगा-जमुनी भाषा में उनका शब्द प्रवाह हमें खिंच ले जाता है उनकी बेबाक लेखनी की शाब्दिक लहरों संग। इस्मत चुगताई का नाम भारतीय साहित्य में एक चर्चित और सशक्त कहानीकार के रूप में प्रख्यात हैं। उन्होंने महिलाओं से जुड़े मुद्दों को अपनी रचनाओं में बेबाकी से उठाया और पुरुष प्रधान समाज में स्त्री लक्षी मुद्दों को चुटीले और संजीदा तरीकों से पेश करने का जोखिम भी उठाया। इस्मत चुग़ताई ने शहरी जीवन में महिलाओं के मुद्दे पर सरल, प्रभावी और मुहावरेदार भाषा में शानदार तरीके से उकेरा है। उनकी कहानी लिहाफ़ ने सारे बाँध तोड़ दिए उस ज़माने में महिलाओं के समलैंगिक संबंधो के बारे में लिखने का साहस उनके प्रति नतमस्तक कर जाता है। बेशक इस्मत को उसकी किंमत चुकानी पड़ी उन पर अश्लीलता के इल्ज़ाम लगाए गए और क्या-क्या नहीं सुनाया गया फिर भी उनकी कलम नहीं रुकी। अपनी आत्मकथा 'कागज़ी है पैरहन' में इस्मत चुग़ताई ने ज़िक्र किया है कि जब पहली बार उन्हें बुर्का पहना तो उन्हें घुटन महसूस हुई थी। इस्मत की बेटी सबरीना लतीफ़ बताती है की उन्होंने हमें कभी बुर्क़ा पहनने के लिए नहीं कहा

वो कहती थीं कि हर इंसान को अपनी ज़िंदगी कैसे जीनी है उसका चुनाव करने का अधिकार है। इस्लाम में जिस रिवाज़ को अहम माना जाता है उसका प्रतिकार करने का साहस एक खुले खयालात वाली लेखिका ही कर सकती है। ऐसा नहीं कि इस्मत के आलेख और कहानियों में सिर्फ महिला लक्षी मुद्दे ही होते थे। उन्होंने समाज की कुरीतियों, व्यवस्थाओं और अन्य पात्रों को भी बखूबी पेश किया। यही नहीं वह लेखन में करारा व्यंग्य भी करती थीं जो उनकी कहानियों की रोचकता और सार्थकता को बढ़ा देती थी। भारतीय समाज में महिलाओं के मुद्दे, नजरिए और समस्याओं को बुलंदी से उठाने वाली इस्मत चुगताई का उर्दू साहित्य में खास मुकाम है।और उन्होंने अपनी विशिष्ट शैली और मुहावरेदार जुबान के कारण अपने लेखन में जिंदगी के तमाम रंगों को खूबसूरती से उकेरा है। इस्मत चुगताई की एक से बढ़कर एक कहानियों में छुई-मुई, चोटें, कलियां, एक बात, शैतान जैसी कृतियां शामिल हैं। उन्होंने जिद्दी, जंगली कबूतर, अजीब आदमी, मासूमा और टेढ़ी लकीर जैसे कई उपन्यास भी लिखे। इसके अलावा उनकी आत्मकथा कागजी है पैरहन नाम से प्रकाशित हुई जिसमें उनके जीवन के हर रंग का स्पर्श मौजूद है। उन्होंने अनेक चलचित्रों की पटकथा लिखी और जुगनू में अभिनय भी किया। उनकी पहली फिल्म छेड़-छाड़ 1943 में आई थी। वे कुल 13 फिल्मों से जुड़ी रहीं। उनकी आख़िरी फ़िल्म गर्म हवा (1973) को कई पुरस्कार मिलेइस्मात चुग़ताई को साहित्य अकादमी अवॉर्ड, नेहरू अवॉर्ड जैसे कई दूसरे अहम सम्मान भी मिले। ऐसे साहित्यकार सदी में कुछ एकल दुक्कल ही पैदा होते है।

(भावना ठाकर,बेंगुलूरु)ïभावु

कलम

कलम जब चलती है ,
दिल से राज़ सब उगलती है ,

ना रूकती , ना थमती है ,
मेरी प्यारी कलम जब चलती है ।
चलती है जब कलम ये
हिला कर रख देती सिंहासन है
कभी ये उगलती है लावा तो
कभी अमृत वर्षा भी करती है ।
हां मेरी कलम जब चलती है
दिल के राज़ सब कह देती है ।
जो ना कह सकती जुबां है
वो सब कलम कह देती है
किसी मजबूर की मजबूरी भी
मेरी कलम कह देती है ।
छाता है जब जुनून तो
पर्दानशीं
को भी बेपर्दा ये कर देती है ,
मेरी कलम जब चलती है ।
बीता कल भी कलम कह
जाती है
तो आने वाला कल भी ब्यां
करती है ,
तलवार की धार से भी तेज़
कलम वार कर जाती है ,
मेरी कलम जब चलती है ।

मौलिक एवं स्वरचित
प्रेम बजाज, जगाधरी
(यमुनानगर)

इस बारिश को अब बचा लो तुम

मुझे नहीं, इस बारिश को अब बचा लो तुम
सालों से बेलिबास हैं, गले इसे लगा लो तुम
कहते हैं कभी पूरे शबाब पे हुआ करती थी
अब दिखती भी नहीं, फिर इसे बुला लो तुम
ये सूखे पेड़,ये प्यासे पंछी और ये गर्म हवाएँ
जो आस में हैं, उस बारिश को मँगा लो तुम
हर एक बूँद को जिस ने बचा कर रखना था
धूल पड़ी उस फाइल को कुछ चला लो तुम
बारिश के बहाने आँखें आसमाँ देख लेती थी
फिर से दीदार हो,कोई तरकीब लगा लो तुम
किसी कोने,कहीं किसी गली में फँसी हुई है
किसी बिछड़ी औलाद की तरह उठालो तुम

सलिल सरोज
नई दिल्ली

गीत

मिलें सब जगत में पर तुम सा न कोई।
मिलें सब जगत में पर तुम सा न कोई।।
आँसू बहतें है याद तुमको करके
चल रहीं हैं सांसे चोटो को सहके।
हो रहा हैं कष्ट मुझ बिंन इस जिगर को मालूम है,
अभी चल रहीं हैं सांसे फिर मिलूंगा मरके।।2।।
खिलें फूल पर खुशबू लगती खोई-खोई।
मिलें सब जगत में पर तुम सा न कोई।।
याद है अब भी हाथों वाला झूला
गुजरे हुआ बरसों फिर भी न भूला।
खुद बिक जाते थे मेलों में हंसकर,
कहते थे ना अब रोओं खिलौना है पूरा।।2।।
गुजरें हो जबसे लगती महफिल सोई-सोई।
मिलें सब जगत में पर तुम सा न कोई।।
गिरते हुए का तुम बने थे सहारा
भीगूँ न जल से तुम बने छत हमारा।
दुनिया कहें तो कहे कहतें अपने रिश्तेदार,
गुजर तुम गए मुझको कर बे-सहारा।।2।।
आँसू छुपाऊँ फिर भी आँख लगती धोई।
मिलें सब जगत में पर तुम सा न कोई।।

सुधांशु पांडे मुक्त प्राण÷निराला÷
भारत,उत्तर प्रदेश,प्रयागराज.

कविता

जयचंद गली-गली
देश में जयचंद गली
गली
गद्धारों की तो खेती है
खून से भिंगा सड़क
पड़ा है
जनता फिर भी भोली
है
चंद टुकड़ों के शौख ने
खो दी अपनी मानवता को
अपनी पहचान दिखाने को तुम
देश की पहचान छुपाते हो
अपनी माँ बहनों की इज्जत
कैसे तुम इसे बचाओगे
ये ,गद्धार संभल जा तुम अब
अब जनता फिर से जाग उठी !

शिवनन्दन सिंह
साधुडेरा बिरसानगर
जमशेदपुर झारखण्ड।

आगे महिना जाड़ के

आगे महिना जाड़ के,
नाक अबड़ बोहाय।
बारय छेना रोज के,
आगी ला सिपचाय।।
जाके टूरा घाम मा ,
तिवरा ला चोराय।
मालिक देखे खेत के
,दउड़त दउड़त जाय।।
आगे महिना जाड़ के, भाजी पाला आय।
जुड़ महिना के साग हा, सब ला अबड़ मिठाय।।
किनकिन करथे दाँत हा,अब्बड़ घाम सुहाय।
ओढे सेटर साल ला, काम बूता नइ भाय।।
आगे महिना जाड़ के , कुकरा बासत जाय।
बड़े बिहनिया ले बबा, आके रोज जगाय।।
बड़े बिहनिया ले सबो, दउड़े ला सब जाय।
करे रोज व्यायाम ला, सुस्ती दूर भगाय।।

प्रिया देवांगन प्रियू
पंडरिया
छत्तीसगढ़

ताकि किसी के इलाज में कोई खामी न रह जाए

दुनिया भर में इलाज में खामी की वजह से हर साल 13.80 करोड़ रोगियों को नुकसान पहुंचता है और 26 लाख की मौत हो जाती है। यह मौत की तीसरी प्रमुख वजह है। यहां तक कि अमेरिका में हर मिनट पांच लोग चिकित्सा खामियों की वजह से मारे जाते हैं और इसकी लागत सालाना 30 अरब डॉलर से ज्यादा है। इलाज में खामी रह जाने की एक बड़ी वजह संवाद या समझ की कमी है, जिससे लगभग 75 प्रतिशत खामियां पैदा होती हैं। अधिकांश खामियां खराब लेखन, गलतफहमी, संक्षिप्तिकरण के उपयोग या अनुचित अनुवाद से पैदा होती हैं। गलत या अस्पष्ट लेखन ने दशकों से नर्सों और डॉक्टरों, दोनों को त्रस्त किया है। असुरक्षित शल्य चिकित्सा देखभाल प्रक्रियाओं से 25 प्रतिशत रोगियों को समस्या होती है और दस लाख से अधिक लोग मारे जाते हैं।

कौन रोकेगा ऐसी राजनीति, जिससे सबको शिकायत

राजनीति को लेकर एक खास तरह का अराजनीतिक मनोविज्ञान काम करता है कि यह बहुत खराब चीज है। बहुत पहले सूरदास की गोपियों ने कहा था, हरि हैं राजनीति पढ़ि आए। यहां भी राजनीति को अच्छी निगाह से नहीं देखा गया था। आम आदमी के मन में राजनीति के लिए सूरदास की गोपियों वाला भाव ही रहता है। मजे की बात यह कि राजनीति में डूबे हुए लोग भी राजनीति को बुरा ही कहते और मानते हैं। प्रायः सभी राजनीतिक दल अपने विरोधियों पर राजनीति करने का आरोप लगाते हैं। कहा जाता है, 'देखिए राजनीति हो रही है' या 'बताइए, विपक्ष ऐसे संवेदनशील मुद्दे पर राजनीति कर रहा है'। जो बातें स्वयं विपक्ष में रहते हुए लोकतंत्र को बनाए रखने के लिए कभी बेहद जरूरी जान पड़ती हैं, सत्ता में आने पर उन्हें ही 'राजनीति' करार दे दिया जाता है। दिलचस्प है, जिन पर 'राजनीति' करने का आरोप लगता है, वे भी यही कहते हैं, देखिए 'राजनीति' तो सत्ता के लोग कर रहे हैं। प्रश्न उठता है कि राजनीतिक दल जब राजनीति करने के लिए ही बने हैं, तो फिर 'राजनीति' करने पर किसी को क्यों लांछित किया जाता है, मानो राजनीति कोई पाप कर्म हो और राजनेता कोई पातकी व्यक्ति? इसका संबंध कहीं न कहीं उस अराजनीतिक मनोविज्ञान से है, जिसकी चर्चा आरंभ में की गई है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में राजनीतिक विचार रखना और राजनीतिक गतिविधियों में शरीक होना सबका अधिकार है। राजनीतिक दल बनाने और राजनीति करने की सांविधानिक व्यवस्था है, जिसके तहत देश में हजारों की संख्या में राजनीतिक दल हैं। पूर्व प्रधानमंत्री और राजनीति के विलक्षण प्रवक्ता चंद्रशेखर का एक कथन याद आता है। संभवतः 1989 के चुनाव का समय था। जनता दल का दौर था। वीपी सिंह को नेता मानने के लिए चंद्रशेखर तैयार न थे। बार-बार उन पर आरोप लगाया जा रहा था कि वह राजनीति कर रहे हैं। इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा, राजनीतिक पार्टियां भजन मंडलियां नहीं हैं कि भजन करेंगी। इनका गठन ही इस बात के लिए हुआ है कि वे राजनीति करें। हालांकि, आलम यह है कि राजनीति करनी भी है और उसे भला-बुरा भी कहना है। आखिर यह दोहरापन क्यों? वास्तव में, बात राजनीति की नहीं, बल्कि अच्छी और बुरी राजनीति की है। बुरी राजनीति हमेशा जनता को अराजनीतिक बनाए रखना चाहती है, क्योंकि अराजनीतिक मन-मिजाज को यह बात आसानी से समझाई जा सकती है कि राजनीति गर्हित है और हमें इस पचड़े में नहीं फंसना है। राजनीति को गर्हित करार देने की भी अपनी राजनीति है। जनता के मन-मिजाज को अराजनीतिक बनाने या बनाए रखने के लिए जरूरी है कि राजनीति की एक काली तस्वीर पेश की जाए और जनता के मन में कोउ नृप होउ हमहि का हानी वाला भाव बनाए रखा जाय। ऐसी जनता को बहुत आसानी से बहलाया-फुसलाया जा सकता है।

अच्छी राजनीति का कार्य समाज में मूल्य-व्यवस्था की प्रतिष्ठा करना है। इसके लिए जरूरी है कि जनता की चेतना उन्नत हो, ताकि प्रकारांतर से समाज में बेहतरीन मानवीय मूल्यों की प्रतिष्ठा की जा सके। भारत का उदाहरण लें, तो साम्राज्यवादी शक्तियों के विरुद्ध हुए संघर्ष के दौर में हमने अनेक मूल्य अर्जित किए, जिनकी अभिव्यक्ति देश के संविधान में हुई। हमारा संविधान स्वाधीनता, समानता और बंधुत्व के मूल्यों की प्रतिष्ठा करता है। इसे समझने के लिए जनता की चेतना का उन्नत होना आवश्यक है। अच्छी राजनीति हमेशा जनता की चेतना को उन्नत करने की कोशिश करती है, जबकि बुरी राजनीति उसे कुंद करने में लगी रहती है। दुर्भाग्य से, यह दूसरी किस्म की राजनीति ही हमारे सामान्य बोध का हिस्सा बन गई है। इसी सामान्य बोध को बदलने की चुनौती हमारे सामने है। हमें यह समझना होगा कि राजनीति समाज में होने वाली एक ऐसी गतिविधि है, जो अनिवार्यतः बुरी नहीं है, वह अच्छी भी होती है अथवा हो सकती है। कभी राम मनोहर लोहिया ने आदर्श राजनीति की उपमा धर्म से देते हुए कहा था 'राजनीति अल्पकालिक धर्म है और धर्म दीर्घकालिक राजनीति'। लोहिया के इस कथन का मंतव्य दरअसल 'राजनीति अनिवार्यतः बुरी होती है' जैसे सामान्य बोध को बदलना और अच्छी राजनीति का मार्ग प्रशस्त करना ही है।

जग में कितना प्रेम है भरा

जग में कितना प्रेम है भरा, मन करे
आज मैं लिखूँ
घर में कितना प्रेम है भरा, मन करे
आज मैं लिखूँ
प्रेम क्षुधा है प्रेम सुधा है प्रेम का न
कोई सानी
चौदह भुवन में फैली देखो प्रेम की
अमर कहानी
जग में कितना ....।
हिमगिरि से ऊँचा है पापा का मेरे
प्यार
नीरनिधि से ज्यादा माँ दे मुझे दुलार
दक्षिण वाम हस्त मेरे हैं दोनो भाई
अनुजा है आँगन की घर की शहनाई
वो हो भार्या तनय या दुहिता
है पढ़ना रिश्ता तो पढ़ लो गीता
अगर है पढ़ना आदर्शों को पढ़ लो मानस बानी
चौदह भुवन में फैली देखो प्रेम की अमर कहानी
जग में कितना ....।
विहगों का विटपों से सुन्दर है नाता
मधुपों को पुहुपों का आकर्षण भाता
अंशु का अंशुमान से प्रेम शशि से है
देखो न खड्गकोष का प्रेम असि से है
प्रेम देखो यति का सुर से
कहता नीरज अपने उर से
उर्वी के इस नीरनिधि में घुल जाए प्रेम की बानी
चौदह भुवन में फैली देखो प्रेम की अमर कहानी
जग में कितना प्रेम है भरा मन करे आज मैं लिखूँ
घर में कितना प्रेम है भरा मन करे आज मैं लिखूँ।।

नीरज कुमार द्विवेदी
बस्ती-उत्तरप्रदेश

गणेश जी

हे! गजानन स्वामी कष्ट विनायक,
प्रथम पूज्यनीय इस जगत में।
आराधना करने से लम्बोदर का,
मन वांछित फल मिलता भजत मे।।
माता पार्वती के सुत कहलाते हो,
महा देव जी हैं पिता तुम्हारे ।
दुःखियों की कष्टो को हरण करते,
गजानन स्वामी रक्षा करते हमारे।।
चक्र, शंख और कमल हाथों में,
जगत के स्वामी चार भुजा धारी।
रिध्दी, सिध्दी जिसकी साथ में हो,
भक्तो के रक्षा करती है चूहे की
सवारी।।
इस संसार में अधिष्ठाता देवता हैं,
गणेश जी को लोकनायक कहते हैं ।
अज्ञान मिटा कर ज्ञान भर देता है,
भक्त जनो के साथ हमेशा रहते हैं।।
श्री गणेश जी के पूजा अर्चना करने से,
सुख, शांति, यश और ज्ञान मिलता है।
निर्धनो को धन,दौलत प्राप्ति होती है,
जीवन भर हमेशा सुख मिलती है।।

स्वरचित कविता
देबीदीन चन्द्वँशी
ग्राम- बेलगवाँ
तह0 पुष्पराजगढ़

नया संसद भवनः हमारी संवैधानिक आवश्यकता

पवन कुमार शर्मा

भारत दुनिया का सबसे विशाल लोकतंत्र है। हमारी प्रतिष्ठा दुनिया के सबसे सफल और क्रियाशील लोकतंत्र के रूप में भी होती है। हम गर्व से कह सकते हैं कि बिहार के लिच्छवी गणराज्य के रूप में कोई ढाई हजार वर्ष पूर्व हमने दुनिया को सबसे पहले गणतंत्र का संदेश दिया। 1947 में अंग्रेजों से मिली स्वतंत्रता के बाद संसदीय गणतंत्र के रूप में भी हमने दुनिया के सामने एक उदाहरण पेश किया है।

26 नवंबर 1949 में अपना संविधान अंगीकार करने , 26 जनवरी 1950 को एक गणतंत्र बनने , फिर 1952 में हए पहले आम चुनाव से लेकर आज तक , एक लोकतंत्र के रूप में हमने सफलता के नित नए आयाम छुए हैं। हर चुनाव के साथ बढ़ते मतदान प्रतिशत ने भी लोकतंत्र के प्रति लोगों के गहरे होते विश्वास को प्रतिबिंबित किया है। इतिहास पर नजर डालें तो संसद भवन की अभिकल्पना दो अंग्रेज वास्तुकारों- सर एडविन लुटियंस और सर हर्बर्ट बेकर ने तैयार की थी।

संसद भवन की आधारशिला 12 फरवरी , 1921 को द डयूक ऑफ कनाट ने रखी थी। इस भवन के निर्माण में छह वर्ष लगे और इसका उद्घाटन भारत के तत्कालीन गवर्नर जनरल लॉर्ड इर्विन ने 18 जनवरी , 1927 को किया। इसके निर्माण पर उस समय 83 लाख रुपये की लागत आई थी। गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट 1919 के तहत सेंट्रल लेजिस्लेचर स्थापित किया गया था। इसमें काउंसिल ऑफ स्टेट और लेजिस्लेटिव असेंबली नाम के दो सदन थे। काउंसिल ऑफ स्टेट में 60 जबकि लेजिस्लेटिव असेंबली में 145 सदस्य थे। संविधान सभा बनने के बाद 1947 में इसे रिमॉडल किया गया। स्वतंत्र भारत का पहला चुनाव संपंन होने के बाद 13 मई, 1952 को दोनों सदनों की पहली बैठक हुई। पहली लोक सभा में सीटों की संख्या 499 थी। इसके बाद सीटों की संख्या को संवैधानिक संशोधनों के माध्यम से बढ़ाकर 525 , फिर 530 और बाद में 550 कर दिया गया। आज सौ वर्षों के बाद हमारी आवश्यकताएं बढ़ी हैं, बदली भी हैं। आबादी के रूप में हम कई गुणा बढ़ गए हैं। 1921 में जब संसद भवन का निर्माण शुरू हुआ था उस समय देश की आबादी कम थी। हमारी संसदीय प्रणाली में जनसंख्या के आधार पर जनप्रतिनिधित्व को बढ़ाने की व्यवस्था की गई है। 84 वें संविधान संशोधन के जरिए साफतौर पर यह प्रावधान किया गया है कि जब तक 2026 के बाद होनी वाली , पहली जनगणना के सुसंगत आंकड़े प्रकाशित नहीं हो जाते , लोक सभा में सीटों का आवंटन 1971 की जनगणना और राज्यों की विधान सभाओं में 2001 की जनगणना के आधार पर चलता रहेगा। जाहिर है 2026 के बाद होने वाली पहली जनगणना के प्रामाणिक आंकड़े आने के बाद , लोक सभा सीटों में इजाफा होना है लिहाजा बढ़ी आबादी के बीच जनप्रतिनिधित्व को बढ़ाना वक्त की जरूरत है। इस लिहाज से अधिक जनप्रतिनिधियों के बैठने की व्यवस्था करना आवश्यक है और इसके लिए नए संसद भवन का निर्माण नितांत जरूरी है।

संसद भवन में अन्य देश के राष्ट्राध्यक्ष जब भी संयुक्त सत्र को संबोधित करते हैं उस वक्त सांसदों को बैठने के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिल पाती। ऐसे आयोजनों में विभिन्न देशों के राजदूतों और प्रेस से जुड़े के लोगों को भी जगह मिलना मुश्किल हो जाता है। इस समस्या का समाधान नया संसद भवन है , जिसकी संयुक्त बैठक में एक साथ 1224 सांसदों के बैठने की व्यवस्था होगी। इसके अलावा संसद भवन परिसर में लोक सभा के 2000 और राज्य सभा के 1200 से ज्यादा अधिकारी और कर्मचारी भी काम करते हैं। यह आवश्यक है कि उनके बैठने के लिए पर्याप्त जगह हो ताकि उनकी उत्पादकता अधिक हो सके। नया संसद भवन इस कमी की पूर्ति करने में भी मददगार साबित होगा।

कोरोना के कालखंड ने हमें भविष्य की आपातकालीन आवश्यकताओं के प्रति सचेत किया है। संसद का पिछला मॉनसून सत्र जिन परिस्थितियों में संपंन हुआ उसने हमें ऐसी चुनौतियों से लड़ने के लिए प्रतिबद्ध किया है। संक्रमण से सुरक्षा, बैठने के लिए अधिक स्थान की आवश्यकता और बचाव के लिए अन्य उपायों की पूर्व तैयारी आवश्यक है। यह अभूतपूर्व था कि सदन की कार्यवाही के सुचारू संचालन के लिए पहली बार लोक सभा के सांसद राज्य सभा चैंबर और राज्य सभा के सांसद लोक सभा चैंबर में बैठे। नया संसद भवन इन परिस्थितियों का सामना करने में सक्षम होगा। बीते सौ वर्षों में पूरी दुनिया ने नए प्रकार के खतरों का सामना किया है। इन खतरों से भारत भी अछूता नहीं है। 13 दिसंबर, 2001 को संसद भवन पर हुए हमले ने इस संकट को और गहरा किया है लिहाजा नए संसद भवन में सुरक्षा की दृष्टि से तमाम जरूरी इंतजाम किए जाएंगे।

नाव बैठी नजर आईं अनुष्का शेट्टी वीडियो वायरल

अभिनेत्री अनुष्का शेट्टी हाल ही में नाव में बैठी नजर आई हैं। इसका सोशल मीडिया पर वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें देखा जा रहा है कि वह नाव में बैठी हैं और उन्होंने रुमाल से चेहरा ढंक रखा है। कहा जा रहा है कि अनुष्का पोलावरम, वेस्ट गोदावरी में वीरभद्र स्वामी की पूजा करने गई थीं। वीडियो में वह तस्वीरें खींचतीं और दोस्तों से बातें करती नजर आ रही हैं। वहीं, वर्क फ्रंट पर अनुष्का को आखिरी बार 'बागमती' फिल्म में देखा गया था। कोरोना के दौरान ओटीटी पर भी उनकी एक फिल्म आई थी। इसके अलावा अनुष्का ने कोरोना काल में सोशल मीडिया पर डेब्यू करके फैन्स को सरप्राइज दिया है।

इंदु की जवानी देखने पहुंचीं कियारा आडवाणी

सोशल मीडिया पर उनके दोस्तों के साथ समोसा पार्टी का वीडियो वायरल हो रहा है। कियारा ने अपने सोशल मीडिया पर तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें वह सिनेमाहॉल में बैठी दिखाई दे रही हैं।

कियारा आडवाणी की फिल्म 'इंदु की जवानी' 11 दिसंबर को रिलीज हो रही है। फिल्म की रिलीज से पहले कियारा फिल्म देखने सिनेमाहॉल पहुंचीं। उनके साथ उनकी फैमिली भी थी। अब सोशल मीडिया पर उनके दोस्तों के साथ समोसा पार्टी का वीडियो वायरल हो रहा है। किय़ारा ने अपने सोशल मीडिया पर तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें वह सिनेमाहॉल में बैठी दिखाई दे रही हैं। इसके साथ उन्होंने लिखा है, आखिरकार सिनेमाघर पर वापसी, बिग स्क्रीन को बहुत मिस किया। बीती रात फैमिली के साथ 'इंदु की जवानी' देखी। अनुभव लाजवाब था। जबरदस्त सर्विस और सैनिटाइजेशन था। आप लोगों का परिवार और दोस्तों के साथ फिल्म पर इंतजार रहेगा। वहीं किय़ारा का एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें वह दोस्तों के साथ बिना मास्क लगाए एक संकरी जगह पर समोसा पार्टी करती दिखाई दे रही हैं। इस वीडियो पर लोगों ने कोरोना प्रोटोकॉल का ध्यान न रखने के लिए ट्रोल किया है।

अपने किरदार को मोनालिसा ने बताया ड्रीम रोल

भोजपुरी अभिनेत्री मोनालिसा आगामी टेलीविजन शो 'नमक इश्क का' में एक महत्वपूर्ण किरदार में नजर आने वाली हैं। यह किरदार उनका ड्रीम रोल है। अपने किरदार के बारे में मोनालिसा ने बताया कि शो में मेरा किरदार नकारात्मक है, जिसका नाम ईरावती वर्मा है, जो कि बहुत स्ट्रॉन्ग और धूर्त है, लेकिन लोगों के सामने मीठा बोलती है और खुद को मासूम दिखाती है। इस किरदार के कई सारे शेड्स हैं, जिसके बारे में धीरे-धीरे जानने को मिलेगा। उन्होंने आगे बताया कि लोग ईरावती से डरते हैं। परिवार में भी उसका ही चलता है। यह एक बेहद ही सशक्त किरदार है। यह मेरा ड्रीम रोल है। मुझे अभी कई अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभाने को मिल रही हैं। बता दें कि 'नमक इश्क का' में एक डांसर की कहानी बताई गई है, जिसका नाम चमचम है। उसे शादी का बहुत मन रहता है, लेकिन समाज उसे बहू के रूप में अपनाने से इंकार करती है। मोनालिसा शो में एक नेगेटिव रोल में नजर आने वाली हैं। 'नमक इश्क का' में श्रुति शर्मा को चमचम के किरदार में देखा जाएगा। उनके अलावा, आदित्य ओझा और विशाल आदित्य सिंह भी हैं।

हमें छोड़ो, जाकर किसानों को समझाओः स्वरा भास्कर

यूजर ने दी थी स्वरा को कृषि कानूनों पर बहस की चुनौती

कृषि कानूनों को लेकर जारी किसानों के आंदोलन को लेकर सोशल मीडिया पर स्वरा भास्कर की एक यूजर से बहस हो गई। दरअसल,एक यूजर ने उनको कहा कि वो कानूनों की समझ नहीं रखती हैं। इसके साथ ही यूजर ने उनको कृषि कानूनों पर बहस की चुनौती भी दे डाली।

देसी मोजितो नाम के ट्विटर अकाउंट से स्वरा भास्कर और पंजाबी सिंगर्स एमी विर्क, दिलजीत दोसांझ, मीका सिंह को टैग करते हुए लिखा-'आप सभी को मैं कृषि कानूनों पर बहस की खुली चुनौती दे रहा हूं। आप चार दिनतक इनको पढ़ लें और फिर ऑनलाइन मुझसे इस पर बहस करें, अगर मंजूर है तो बताइए।' आप जाकर आंदोलन कर रहे किसानों से क्यों नहीं बात करते हैं?' स्वरा कृषि कानूनों को लेकर किसानों के विरोध प्रदर्शन का लगातार समर्थन कर रही हैं। हाल ही में सुरक्षाबलों के एक बुजुर्ग किसान पर लाठी चलाते हुए तस्वीरें आई थीं तो इसको लेकर भी उन्होंने दुख जताया था।बता दें कि स्वरा भास्कर के अलावा सोनू सूद, मीका सिंह, दिलजीत दोसांझ, विशाल डडलानी, तापसी पन्नू जैसे बहुत से सेलेब्स ने किसानों के आंदोलन का सपोर्ट किया है। वर्कफ्रंट की बात करें तो हाल में स्वरा भास्कर की वेब सीरीज 'भाग बिनी भाग' रिलीज हुई थी जिसमें उनके किरदार को काफी पसंद किया गया था। मालूम हो कि केंद्र सरकार द्वारा बनाए कृषि कानूनों को लेकर किसानों का आंदोलन अभी भी जारी हैं।

इस मुकाम पर पहुंचाने के लिए बहुत मेहनत की पंकज त्रिपाठी

प्रशंसित अभिनेता पंकज त्रिपाठी ओटीटी दुनिया के अप्रत्याशित सितारे के रूप में उभरे हैं। वह पारंपरिक, रूढ़िवादी अच्छे लुक के पैमाने पर खरे नहीं उतरते, न ही वह पारंपरिक हीरो की छवि में फिट आते हैं। फिर भी, हर बार जब भी किसी नए प्रोजेक्ट क्रेडिट में उनका नाम आता है, तब प्रशंसक उत्साह से भर जाते हैं। त्रिपाठी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने विविध विकल्पों को दिया, उन्होंने कहा कि, उन्होंने इस मुकाम पर पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत की है। उन्होंने कहा, आखिरकार ऐसा लगने लगा है कि यह मेरा समय है और यह कभी नहीं बीत सकता है। मैं दर्शकों को एक के बाद एक यादगार फिल्म देना चाहता हूं, एक के बाद एक शानदार भूमिकाएं देना चाहता हूं। दुनिया का मनोरंजन करना मेरी लंबे समय से इच्छा रही है और मैं शानदार काम करना चाहता हूं। बीते वक्त को याद करते हुए उन्होंने कहा कि यह इतना सहज और आसान नहीं था। त्रिपाठी ने कहा, एक समय था जब काम कम था और काफी समय बाद मिलता था। मैं कैमरे के सामने रहने और उन अवसरों को पाने के लिए तरस जाऊंगा, अगर मुझे लगा कि मैं इसके लायक हूं। अब मैं बेहद संतुष्ट और समान रूप से आभारी महसूस करता हूं। मैंने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए बहुत मेहनत की है। वह 2020 को कृतज्ञता से देखते हैं। उन्होंने कहा, साल 2020 दुनिया के लिए एक क्रूर याद देने वाला था, लेकिन जब मेरा करियर आकार ले चुका था, तब तक मेरे पास कृतज्ञता के अलावा कुछ भी नहीं है।

अंकिता लोखंडे ने नेहा के गाने पर नाचने वाला वीडियो वायरल

अंकिता लोखंडे सोशल पर काफी सक्रिय हैं। अभी अपनी बहन अशिता लोखंडे के जन्मदिन पर उनके साफ प्यारी तस्वीरें पोस्ट की थीं। अब उनका एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में वह नेहा कक्कड़ के गाने 'नेहू दा व्याह' पर लिप सिंक और डांस करती नजर आ रही हैं। अंकिता ने येलो ड्रेस में वीडियो डाला है। इसमें उन्होंने 'मैं ता व्याह करना दतेरे नाल' गाने पर क्यूट एक्सप्रेशंस दिए हैं। एक और वीडियो में अंकिता टोनी कक्कड़ के वीडियो नाच 'मेरी लैला' पर मस्त होकर नाचती दिख रही हैं। रीसेंटली एक अवॉर्ड शो के दौरान अंकिता ने अपने परफॉर्मेंस से सुशांत को ट्रिब्यूट दिया था। अंकिता के इस वीडियो पर फॉलोअर्स ने कई तरह के कॉमेंट्स किए हैं। कुछ का कहना है कि अंकिता को वे सुशांत के लिए फॉलो कर रहे हैं लेकिन वह इस काबिल नहीं हैं। वहीं कुछ उनके बचाव में भी आए हैं कि क्या अंकिता को खुश रहने का हक नहीं? वहीं एक और फॉलोअर ने लिखा है, उम्मीद करते हैं कि वह विकी के दिल और आत्मा से पूरी तरह जुड़ जाएंगी, सुशांत से भी ज्यादा।

कार्तिक ने चिंटू त्यागी से अपने लॉकडाउन लुक की तुलना की

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन ने अपने लॉकडाउन लुक की तुलना फिल्म 'पति, पत्नी और वो' में निभाए अपने किरदार चिंटू त्यागी से की। कार्तिक ने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरों का एक कोलाज साझा किया। एक में लॉकडाउन के दौरान की उनकी तस्वीर है, जिसमें वह लंबे बाल और दाढ़ी के साथ नजर आ रहे हैं, जबकि दूसरे में वह फिल्म में चिंटू त्यागी के रूप में मूंछों के साथ दिखाई दे रहे हैं। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा कि अब बताओ। 2020 या 2019 हैशटैगकोकी हैशटैगचिंटूत्यागी। साथ ही उन्होंने अपने प्रशंसकों से पूछा है कि उन्हें उनका कौन सा लुक पसंद है। बता दें कि कार्तिक ने अपनी इस फिल्म की पहली सालगिरह पर यह कोलाज साझा किया है। इस फिल्म में भूमि पेडनेकर, अनन्या पांडे और अपारशक्ति खुराना जैसे कलाकार भी थे।

|सियोल व आसपास के इलाके में तेजी से फैल रहा है कोरोना वायरस संक्रमण|

कोरोना महामारी के कारण दक्षिण कोरिया में आज से बंद होंगे स्कूल

सियोल ■ एजेंसी

दक्षिण कोरिया ने बढ़ते कोरोना वायरस मामलों के मद्देनजर देश की राजधानी सियोल में 15 से 31 दिसंबर तक स्कूल बंद रखने का फैसला लिया है। रिपोर्ट के अनुसार, सियोल व आसपास के इलाके में भयानक तरीके से कोरोना वायरस संक्रमण फैल रहा है। यहां कोरोना वायरस संक्रमण को रोकने के लिए सोशल डिस्टेंसिंग जैसे उपाय नाकाफी साबित हो रहे है। प्रधानमंत्री चुंग स्ये क्यून ने कहा है कि बढ़ते संक्रण की स्थिति को सावधानी पूर्वक रिव्यू करने की जरूरत है। बढ़ती महामारी के कारण सरकार के ऊपर कुछ और सख्त कदम उठाने का दबाव बढ़ रहा है। माना रहा है कि स्थिति ऐसी ही रही तो एशिया के चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को लॉकडाउन का सामना करना पड़ सकता है। द हनूक इल्बो अखबार ने सोमवार को बताया कि सर्दियों की छुट्टियों को ध्यान में रखते हुए राजधानी के स्कूलों को जनवरी 2021 के अंत तक भी बंद किया जा सकता है। इसके अलावा ग्योंगी प्रांत और इंचियोन शहर के आसपास के क्षेत्रों में भी स्कूल बंद रहेंगे। इस दौरान ऑनलाइन कक्षाओं के जरिए पढ़ाई होगी।

एस्वाटिनी के पीएम एम्ब्रोसकी कोविड वायरस के संक्रमण से मौत

एस्वाटिनी। कोविड-19 का घातक वायरस दक्षिण अफ्रीकी देश एस्वाटिनी के लिए काफी भारी पड़ा यहां के पीएम एम्ब्रोस डलामिनी का कोरोना संक्रमण से निधन हो गया है। वह 52 वर्ष के थे। सरकार की ओर से जारी बयान में यह जानकारी दी गई। श्री डलामिनी एक महीने पहले कोरोना वायरस से संक्रमित हो गये थे और दक्षिण अफ्रीका के एक अस्पताल में भर्ती थे, जहां रविवार की दोपहर उन्होंने अंतिम सांसे ली। उप प्रधान मंत्री थेम्बा मसुकु ने एक बयान में कहा, मैं अत्यंत दुख के साथ सूचित कर रहा हूं कि हमारे माननीय प्रधानमंत्री एम्ब्रोस डलामिनी का असामयिक और दुखद निधन हो गया है। यह बयान एस्वाटिनी सरकार के आधिकारिक फेसबुक पेज पर भी पोस्ट किया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक एस्वाटिनी में कोरोना संक्रमण के 6768 मामले सामने आये हैं जबकि 124 लोगों की इस बीमारी से मौत हो चुकी है।

ट्रंप ने किया साफ, कहा- मैं या व्हाइट हाउस के कर्मचारी कोविड वैक्सीन प्राप्त करने वालों की पहली लिस्ट में नहीं

वाशिंगटन। अमेरिकी खाद्य और औषधि प्रशासन के आपातकालीन उपयोग के लिए फाइजर कोविड-19 वैक्सीन को मंजूरी देने के कुछ दिनों बाद, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह व्हाइट हाउस के कर्मचारियों के साथ देश में पहले नहीं होंगे, जिन्हें कोविड-19 वैक्सीन दी जाएगी। न्यूयॉर्क टाइम्स का हवाला देते हुए, द हिल ने बताया कि व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि ट्रंप प्रशासन के पास राष्ट्रपति के साथ मिलकर काम करने वालों के लिए टीकाकरण को प्राथमिकता देने की योजना है। ट्रंप ने ट्विटर पर लिखा, ट्रंप ने ट्वीट कर कहा कि व्हाइट हाउस में काम करने वाले कर्मचारियों को जब तक जरूरी न हो, उस स्थिति को छोड़कर बाद में कोरोना की वैक्सीन लगेगी। मैंने इस तरह की व्यवस्था करने को कहा है। मैंने वैक्सीन लेने के लिए किसी नीयत समय को फिक्स नहीं किया है,लेकिन इसे लेकर आशान्वित हूं। इससे पहले दिन में ट्रंप ने लिखा था, वैक्सीन को उनके शेड्यूल समय से पांच साल पहले गंतव्य स्थानों के लिए रवाना कर दिया गया है, वे रास्ते में हैं। स्वस्थ रहे यूएसए, स्वस्थ रहे दुनिया। हम आप सभी को प्यार करते हैं।

झारखंड की राज्यपाल ने राज्य में बढ़ते दुष्कर्म के केस में प्रभारी डीजीपी को किया तलब

रांची ■ एजेंसी

झारखंड में बलात्कार के बढ़ते वारदातों के मद्देनजर राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू ने राज्य में प्रभारी पुलिस महानिदेशक एमवी राव को राज भवन तलब किया। राज्यपाल के बुलाने पर प्रभारी पुलिस महानिदेशक सोमवार को राजभवन पहुंचे।

इस दौरान राज्यपाल ने राज्य की विधि-व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की। साथ ही उन्होंने राज्य में हो रहे बलात्कार की घटना पर अपनी गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य में इस प्रकार का भयमुक्त वातावरण हो कि सभी लोग स्वयं को सुरक्षित महसूस कर सकें। उल्लेखनीय है कि राज्यपाल से दस दिसम्बर को पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से दुमका में एक महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना से संबंधित ज्ञापन शॉप कर दोषियों के विरूद्ध शीघ्र कार्रवाई की दिशा में पहल करने का आग्रह किया था। सूत्रों के अनुसार राज्यपाल ने प्रभारी डीजीपी से दुमका सहित बलात्कार की अन्य वारदातों में शामिल आरोपियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की जानकारी भी हासिल की। राज्यपाल ने कहा कि अपराध बढ़ने से राज्य की छवि पर असर पड़ता है।

ब्रिटेन में क्रिसमस से पहले जारी हो सकती है ऑक्सफोर्ड की कोविड-19 वैक्सीन

लंदन। कोरोना के कारण जारी तबाही के बीच कई बड़ी वैक्सीन कंपनियां इस महामारी के लिए वैक्सीन बनाने में जुटी हैं। इस साल के अंत तक ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की कोविड-19 वैक्सीन के ब्रिटेन में जारी होने की संभावना बहुत अधिक है। शोधकताओं का कहना है कि ये क्रिसमस से पहले जारी हो सकती है। हालांकि ऑक्सफोर्ड और दवा की दिग्गज कंपनी एस्ट्राजेनेका के वैक्सीन को अभी तक यूके में उपयोग के लिए अप्रूवल नहीं मिला है। मेडिसिन और हेल्थकेयर उत्पादों के साथ नियामक एजेंसी (एमएचआरए) अभी भी परीक्षण डेटा की समीक्षा कर रहा है। सरकार ने टीके की 100 मिलियन खुराक और चार लाख कार्यकताओं के मंजूरी के बाद की प्रक्रिया के लिए तैयार रखा है। दुनिया को सबसे ज्यादा उम्मीद देने वाली वैक्सीन यही है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, दवा कंपनी एस्ट्राजेनेका और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया इसे मिलकर बना रही हैं। ऐसे में ये भारत के लिए भी बड़ी खबर है। इसका भी फेज-3 का ट्रायल पूरा हो चुका है। ट्रायल ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और द जेनर इंस्टीट्यूट में पूरा किया गया। वहीं ब्रिटेन ने कई दौर की टेस्टिंग के बाद फाइजर-बायोएनटेक की वैक्सीन को हरी झंडी दे दी है। यूके में अगले हफ्ते से ये वैक्सीन मिलने लगेगी। इस बीच बीते मंगलवार को टीका लगवाने वाले दो लोगों में इसके दुष्प्रभाव देखे गए। इसके बाद राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) ने इस संबंध में चेतावनी जारी की है। दरअसल जैसा कि पहले से तय था मंजूरी मिलने के बाद ब्रिटेन में कोरोना के खिलाफ टीकाकरण अभियान जोर-शोर से शुरू कर दिया गया है। इसमें सबसे पहले स्वास्थ्य कार्यकताओं और बुजुर्गों को टीके दिए गए, लेकिन मंगलवार को टीका लगवाने वाले एनएचएस के दो स्वास्थ्य कार्यकताओं में इसके दुष्प्रभाव देखे गए। इसके बाद एनएचएस ने एलर्जी समस्या से ग्रसित लोगों को कोरोना का टीका नहीं लेने का आग्रह करते हुए चेतावनी जारी की।

शराब तस्करों ने भाजपा नेता पर किया जानलेवा हमला

अररिया ■ एजेंसी

अररिया जिले में बदमाशों ने रानीगंज भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष कलानंद सिंह पर जानलेवा हमला कर दिया। घटना रानीगंज से पहुंसरा जाने वाली रामपुर नहर के समीप की रविवार की देर रात की है। हमलावर बदमाशों ने भाजपा नेता की गाड़ी को चकनाचूर करने के साथ-साथ उनकी लाइसेंसी रायफल छीनकर फरार हो गये। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित भाजपा नेता कलानंद सिंह ने घटना को लेकर बताया कि रविवार की रात वे अपनी गाड़ी से शंभु यादव के साथ अपने घर पहुंसरा से रानीगंज आ रहे थे साथ में पत्नी और बच्चे भी थे। इस दौरान रामपुर नहर के समीप एक बाइक पर कुछ शराब कारोबारी बोरी में शराब लेकर जा रहे थे। शराब कारोबारियों को देखकर पुलिस को फोन कर जानकारी देने लगे। इतने में शराब कारोबारियों ने बगल के गांव में जाकर शोर मचाना शुरू कर दिया। इसके बाद एक टैक्टर पर 12 से ज्यादा की संख्या में लोग मौके पर पहुंचकर मेरे साथ मारपीट करने लगे।

कलानंद सिंह ने बताया कि हमलावर उनकी लायसेंसी रायफल छीनकर फरार हो गये। सूचना पर रानीगंज थाना के दारोगा मनिउद्दीन सदलबल घटनास्थल पर पहुंचकर कलानंद सिंह को हमलावरों के चंगुल से निकाला। इस दौरान मौके पर हाथापाई के दौरान कई राउंड फायरिंग होने की बात सामने आ रही है। रविवार की देर रात को रानीगंज पुलिस ने छापेमारी कर रायफल को बरामद कर लिया है। वहीं पुलिस ने घटनास्थल पर से एक बोरी विदेशी शराब भी बरामद किया है। घटना को लेकर रानीगंज थानाध्यक्ष श्यामनंदन यादव ने बताया कि रात में छापेमारी कर संदेह के आधार पर दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। सभी से पूछताछ की जा रही है। आवेदन देने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज. ब्रीफ

चीन में बड़ा हादसा, दो जहाज टकराए, तीन की मौत, पांच नाविक लापता

बीजिंग। चीन में यांग्त्सी नदी में दो जहाजों के आपस में टकरा जाने से बड़ा हादसा हो गया। जहाज में सवार तीन नाविकों की मौत हो गई जबकि बचाव कर्मी लापता हुए पांच नाविकों की तलाश में सोमवार को भी जुटे हैं। सरकारी सीसीटीवी ने नाटकीय फुटेज प्रसारित की है जिसमें चालक दल के सदस्य मालवाहक पोत शीछीशेंग-69 पर सवार 16 नाविकों में से 11 को पानी से बाहर निकाल रहे हैं। उनमें से तीन नाविकों में जीवन के कोई संकेत नहीं थे। उल्लेखनीय है कि यांग्त्सी नदी परिवहन के लिहाज से चीन की सबसे व्यस्त नदी है और यह पूर्वी चीन सागर में व्यावसायिक केंद्र शंघाई के उत्तर में आकर गिरती है, इसलिए यहां पर सभी दिशाओं से जहाज आते हैं। सरकारी मीडिया ने बताया कि मालवाहक जहाज ओसियाना ने रविवार करीब आधी रात को नियंत्रण खो दिया और शीछीशेंग-69 से टकरा गया। इसकी वजह से शीछीशेंग-69 जहाज डूब गया। खबर के मुताबिक पोत में 650 कार्गो कंटेनर लदे हुए थे।

लक्ष्मण रेखा पार न करे अमेरिका नहीं तो देंगे मुंहतोड़ जवाब : ईरान

तेहरान। अमेरिकी और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका के परमाणु हथियार ले जाने वाले सक्षम बॉम्बर बी-52 के तैनात करने से भड़के ईरान ने धमकी दी है कि अमेरिका लक्ष्मण रेखा को पार न करे नहीं तो उसे करारा जवाब दिया जाएगा। इससे पहले अमेरिका ने ईरान को सीधे सख्त संदेश देते हुए पश्चिम एशिया में अपने दो बी-52 परमाणु बमवर्षक विमान तैनात किए थे। ईरान ने धमकी दी है कि अगर उसके हवाई क्षेत्र का जरा सा भी उल्लंघन किया गया तो वह मुंहतोड़ जवाब देगा। ईरान के मुख्य एयर डिफेंस मुख्यालय खतम अल-अनबिया एयर डिफेंस बेस के डेप्युटी कमांडर ब्रिगेडियर जनरल कदर रहीमजादेह ने कहा, 'देश का हवाई क्षेत्र लक्ष्मण रेखा में आता है और हमारे शत्रुओं को इसका पहले ही अनुभव हो चुका है कि ईरान का एयर डिफेंस सिस्टम हवाई क्षेत्र का जरा सा भी उल्लंघन होने पर मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।' उन्होंने कहा कि ईरान का एयर डिफेंस सिस्टम अमेरिका के परमाणु बॉम्बर समेत किसी भी हवाई खतरे की पहचान करने में सक्षम है।

आज गुजरात के कच्छ के दौरे पर रहेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 दिसंबर को गुजरात के कच्छ के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह राज्य में कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जानकारी दी गई है। पीएमओ द्वारा जारी किए ताजा बयान के मुताबिक, इन परियोजनाओं में एक अलवणीकरण संयंत्र एक संकर नवीकरणीय ऊर्जा पार्क और एक पूरी तरह से स्वचालित दूध प्रसंस्करण और पैकिंग संयंत्र शामिल हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री, विजय रुपाणी भी इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व्हाइट रेन का भी दौरा करेंगे।

गुजरात में जल सुरक्षा को मजबूत की तरफ होगा कार्य

प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी किए बयान के मुताबकि, यह डिसेलिनेशन प्लांट 10 करोड़ लीटर प्रतिदिन की क्षमता के साथ गुजरात में नर्मदा ग्रिड, सौनी नेटवर्क और उपचारित अपशिष्ट जल अवसंरचना के पूरक से गुजरात में जल सुरक्षा को मजबूत करेगा। इस यात्रा को ध्यान में रखते हुए सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। पूरे इलाकों में सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किए गए है। इस दौरान एसपीजी भी तैनात रहेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, धोरडो स्थित टैंट सिटी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक सभा को भी संबोधित कर सकते हैं। अपनी यात्रा पूरा होने के बाद पीएम मोदी दिल्ली के लिये रवाना हो जाएंगे। हालांकि, यह भी कहा जा रहा है कि पहले मोदी रात यहीं धोरडो टैंड सिटी में ठहरने वाले थे।

पीएम मोदी ने स्वच्छता को एक जनांदोलन में बदल दिया: धर्मेन्द्र प्रधान

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस तथा इस्पात मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वच्छता को एक जनांदोलन में बदल दिया है और उसमें पूरे समाज- शहरी और ग्रामीण दोनों की व्यापक भागीदारी हो रही है। वह यहां पेट्रोलियम उद्योग के स्वच्छता पखवाड़ा पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पेट्रोलियम उद्योग ने इस जनांदोलन में महत्वपूर्ण योगदान किया है और इसे पर्याप्त गति दी है। उन्होंने इस गति को और अधिक बढ़ाने और इसके प्रति अधिक समर्पण की अपील की। पेट्रोलियम मंत्री ने कहा, वर्ष 2022 में भारत अपनी आजादी के 75 साल पूरे कर रहा है। ऐसे में हमें स्वच्छ भारत के अपने स्वप्न को साकार करना चाहिए। उन्होंने निजी क्षेत्र की तेल एवं गैस कंपनियों का भी आह्वान किया कि वे स्वच्छ भारत अभियान में अधिक भागीदारी करें और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को सुझाव दिया कि वे देश के सभी तीर्थ स्थानों और पर्यटन स्थलों पर स्टेट ऑफ द आर्ट शौचालय सुविधाओं का निर्माण करें। उन्होंने स्वच्छता पखवाड़ा और स्वच्छता ही सेवा अभियानों के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के तेल एवं गैस उपक्रमों को पुरस्कार भी वितरित किए। प्रधान ने स्वच्छता ही सेवा 2019 और स्वच्छता पखवाड़ा के विजेताओं की इस बात के लिए प्रशंसा की कि उन्होंने कचरा प्रबंधन और एकल इस्तेमाल प्लास्टिक की वस्तुओं के इस्तेमाल को समाप्त करने समेत साफ-सफाई के विभिन्न पहलुओं पर जागरूकता अभियान चलाए।

1975 के आपातकाल को असंवैधानिक घोषित करने की याचिका पर सुको का केंद्र को नोटिस

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

सुप्रीम कोर्ट ने 1975 में आपातकाल को पूर्ण असंवैधानिक घोषित करने की याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र को नोटिस जारी किया है। दरअसल, हाल ही में एक 94 वर्षीय विधवा महिला ने 1975 में देश में लगाए गए आपातकाल को असंवैधानिक घोषित करने की मांग सुप्रीम कोर्ट से की थी। साथ ही कीमती रत्नों का व्यावसाय करने वाले अपने पति की बेशुमार दौलत की हुई लूट की संबंधित अधिकारियों पर जिम्मेदारी तय करते हुए 25 करोड़ की राशि से उसकी भरपाई करने की भी मांग की है। इसी साल सितंबर महीने में वीरा सरीन द्वारा दायर की गई याचिका में गृह मंत्रालय को भी एक पक्षकार बनाया गया है। सुप्रीम कोर्ट से चार दशक से अधिक समय से उसके और उसके बच्चों को हुए नुकसान की भरपाई की मांग की थी। महिला वर्तमान में देहरादून में अपनी बेटी के साथ रह रही है। 1957 में उन्होंने एचके सरीन से शादी की थी, जिनका करोल बाग और कनॉट प्लेस में उत्कर्ष कला और रत्न का व्यवसाय था। जून 1975 में आपातकाल घोषित होने के तुरंत बाद, सीमा शुल्क अधिनियम के संदिग्ध उल्लंघन पर सरीन के व्यावसायिक परिसरों में छापे मारे गए और कीमती सामान, आभूषण और कलाकृतियां जब्त कर ली गईं। याचिकाकर्ता के पति को विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निरोधक अधिनियम के संरक्षण के तहत हिरासत में रखा गया था। अधिकारियों द्वारा उन्हें लगातार यह कहते हुए सुना गया कि वे अपनी सभी चल-अचल संपत्ति छोड़कर देश छोड़ दें। बाद में, याचिकाकर्ता और उसके बच्चे विदेश चले गए, क्योंकि उनका अधिकांश माल और संपत्ति जब्त कर ली गई थी। याचिका में कहा गया है, याचिकाकर्ता को अलोकतांत्रिक दुःस्वप्न की समाप्ति की वास्तविक इच्छा है, जिसे आपातकाल के रूप में जाना जाता है। यह केवल सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक स्वीकृति और घोषणा के द्वारा ही संभाव है।

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने अब तक क्या कदम उठाए : सुको

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार से कहा कि वह उसे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और निकटवर्ती इलाकों में प्रदूषण से निपटने के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के अब तक उठाए कदमों की जानकारी मुहैया कराए। केंद्र की ओर से पेश हुई अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे की अगुवाई वाली पीठ को बताया कि सरकार इस मामले पर शीर्ष अदालत में दाखिल करने के लिए समग्र हलफनामा तैयार कर रही है। पीठ में न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति रामसुब्रमण्यम भी शामिल हैं। पीठ ने कहा, आप अपना हलफनामा दाखिल करें। न्यायालय ने कहा कि हलफनामा में इस बात की जानकारी होनी चाहिए कि आयोग ने अब तक क्या कदम उठाए हैं। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण संबंधी मामलों की सुनवाई कर रहे न्यायालय से वीडियो-कांफ्रेंस के जरिए हुई सुनवाई के दौरान कहा गया कि आयोग ने अभी तक कुछ नहीं किया है। दिल्ली के पड़ोसी राज्यों में पराली जलाए जाने के कारण प्रदूषण बढ़ने का मामला उठाने वाले याचिकाकर्ता आदित्य दुबे की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील विकास सिंह ने कहा, समिति में 14 सदस्य है, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया है।&ल्लुरस्र;भाटी ने कहा, हमारा शपथपत्र तैयार है। हमें दो दिन का समय दीजिए। मामले में पेश हुए एक वकील ने दावा किया कि पराली जलाए जाने की घटनाओं में पांच प्रतिशत इजाफा हुआ है। हम समग्र रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं। पीठ ने मामले की आगे की सुनवाई के लिए 17 दिसंबर की तारीख तय की।

राजस्थान पंचायत चुनावों में कांग्रेस को मिली हार के बाद अजय माकन जाएंगे प्रदेश दौरे पर

गहलोत या पायलट किसके खेमे को संगठन नियुक्तियों में तरजीह

जयपुर ■ एजेंसी

राजस्थान कांग्रेस में फिर से सियासी घमासान की सुगबुगाहट के बीच प्रदेश प्रभारी अजय माकन राजस्थान दौरे पर आएंगे। माकन का यह दौरा सरकार की दूसरी वर्षगांठ से पहले होने की संभावना है। दरअसल राजस्थान सहित अन्य राज्यों में एक के बाद एक मिल रही हार के बाद कांग्रेस आलाकमान ने सभी प्रभारियों को अपने प्रदेश में अधिक दौरे करने के निर्देश दिए हैं।

अजय माकन का यह दौरा इस मायने में अहम है कि इसके बाद राजस्थान में संगठन और राजनीतिक नियुक्तियों का रास्ता साफ हो जाएगा। प्रदेश में 20 दिसंबर तक आचार संहिता है इसलिए राजनीतिक नियुक्तियों का काम इसके बाद ही होगा। इन नियुक्तियों में सीएम अशोक गहलोत व सचिन पायलट कैंप दोनों को माकन किस तरह साध पाएंगे इस पर सबकी नजर होगी। मुख्यमंत्री गहलोत ने हाल ही में इशारों-इशारों में पायलट खेमे पर जिस तरह से सरकार को अस्थिर करने के आरोप लगाए उससे यह स्पष्ट हैं कि संगठन व राजनीतिक नियुक्तियों में वे पायलट खेमे को तरजीह देने को कतई तैयार नहीं हैं। दूसरी ओर माकन ने स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस आलाकमान पायलट खेमे को नजरअंदाज नहीं करेगा। माकन पहले ही कह चुके हैं कि दिसंबर और जनवरी के बीच राजस्थान कांग्रेस में संगठन और राजनीतिक नियुक्तियों की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

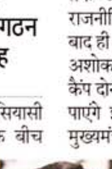

माकन को कई सवालों का सामना करना पड़ेगा?

निकाय और पंचायत चुनावों में कांग्रेस के मंत्रियों और कई विधायकों को हार का मुंह देखना पड़ा है और इसकी जिम्मेदारी से माकन भी नहीं बच सकते। यह सवाल उठेगा कि जब चुनावों से पहले टिकट बंटवारे को लेकर पार्टी में असंतोष पनप रहा था और यह बात सामने आई थी कि मंत्री-विधायक अपने रिश्तेदारों को ही टिकट बांट रहे हैं तब संगठन की तरफ से इसमें दखल क्यों नहीं दिया गया? एक वरिष्ठ विधायक का कहना है कि हार के बाद इन मंत्रियों और विधायकों की जवाबदेही क्यों नहीं तय की गई? ऐसे कई सवाल हैं जो राजस्थान दौरे में अजय माकन का इंतजार कर रहे होंगे।

सियासत पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में अपने उम्मीदवार उतारने की ओवैसी पहले ही घोषणा कर चुके हैं

तमिलनाडु में साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे ओवैसी और कमल हासन, 25 सीटों पर मिला सकते हैं हाथ!

चेन्नै ■ एजेंसी

बिहार चुनाव में पांच सीटों पर जीत से अभिभूत असदुद्दीन ओवैसी अब अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए कमर कस रहे हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में अपने उम्मीदवार उतारने की ओवैसी पहले ही घोषणा कर चुके हैं। अब खबर है कि तमिलनाडु में भी ओवैसी चुनाव लड़ने की प्लानिंग बना रहे हैं। इसी के साथ कमल हासन की पार्टी के असदुद्दीन ओवैसी से गठजोड़ करने की चर्चा भी हो रही है। दोनों के बीच सीटों को लेकर भी बातचीत पक्की हो गई है। तमिलनाडु के राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि बिहार में अच्छे प्रदर्शन के बाद अब ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन कमल हासन की पार्टी मक्कल निधि मय्यम से हाथ मिला सकती है। यह भी कहा जा रहा है कि एआईएमआईएम और एमएनएम मिलकर 25 सीटों पर चुनाव लड़ सकते हैं।

ओवैसी ने तमिलनाडु के पदाधिकारियों के साथ की बैठक

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ओवैसी ने सोमवार को तमिलनाडु के विधानसभा चुनाव को लेकर राज्य के पार्टी पदाधिकारियों के साथ चर्चा की। पार्टी के त्रिची और चेन्नै में जनवरी में मीटिंग करने की संभावना है। दूसरी ओर कमल हासन ने सोमवार को घोषणा की कि वह आने वाले चुनाव में जरूर मैदान में उतरेंगे। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि वह किस सीट से चुनाव लड़ेंगे, इसकी घोषणा बाद में करेंगे।

मुस्लिम दलों के साथ मिलकर चुनाव लड़ने की प्लानिंग

ओवैसी इससे पहले कमल हासन के बयान का भी समर्थन कर चुके हैं जिसमें हासन ने नाथूराम गोडसे के लिए कहा था कि राष्ट्रपिता की हत्या करने वाले को आतंकी कहना चाहिए। पार्टी से जुड़े एक सूत्र ने बताया, 'ओवैसी सभी मुस्लिम दलों को साथ में लाकर चुनाव लड़ना चाहते हैं। अव्वट कमल हासन की पार्टी, नाम तमिलर और दूसरे छोटे दलों के साथ भी गठबंधन कर सकती है।'

इन सीटों पर चुनाव लड़ सकती है ओवैसी की पार्टी

2011 जनगणना के अनुसार, तमिलनाडु में 5.86 फीसदी मुस्लिम आबादी है। तमिलनाडु के वेल्लोर, रानीपेट, तिरुपत्तूर, कृष्णागिरि, रमननाथपुरम, पुदुकोट्टई, त्रिची, मदुरै और तिरुनेलवेली में मुस्लिम बहुल इलाके हैं। माना जा रहा है कि ओवैसी की पार्टी इन्हीं सीटों में चुनाव लड़ सकती है।

सर्वे के आधार पर करेंगे सीटों का चुनाव

एआईएमआईएम की तमिलनाडु यूनिट के अध्यक्ष वकील अहमद ने पिछले महीने एक न्यूज वेबसाइट से कहा था कि एआईएमआईएम तमिलनाडु की किन सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी और कहां नहीं, इसे लेकर एक सर्वे चल रहा है जिसके आधार पर आगे की दिशा तय की जाएगी। बता दें कि अगले साल पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के अलावा केरल, असम और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

| टेस्ट सीरीज से पहले माइंडगेमः लियोन बोले |

हमारे पास भारत के लिए कई प्लान, शुभमन का जवाब- टीम इंडिया के पास उनके हर मूव का तोड़

सिडनी ■ एजेंसी

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज से पहले माइंड-गेम शुरू हो गया है। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन ने कहा है कि भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए उन्होंने कई प्लान बनाए हैं, लेकिन वे इस बारे में मीडिया में नहीं बताएंगे। वहीं, भारत के शुभमन गिल ने कहा है कि टीम इंडिया के पास ऑस्ट्रेलिया को शांत कराने के लिए कई मूव हैं।

पिछली सीरीज से ज्यादा मजबूत है ऑस्ट्रेलियाई टीम

नाथन लियोन ने कहा, 'मैं टीम के बॉलिंग प्लान के बारे में मीडिया में कुछ नहीं बोलूंगा। मैं नहीं चाहता कि भारतीय खिलाड़ी को इस बारे में पहले से ही जानकारी मिल जाए। हम सीरीज को लेकर बहुत उत्साहित हैं। हमारी टीम 2018-19 में भारत के खिलाफ खेली गई पिछली टेस्ट सीरीज से मजबूत है।' लियोन ने कहा, 'सीरीज हारने के बाद आप उससे काफी कुछ सीखते हो। मैं फिलहाल अपनी बॉलिंग पर काम कर रहा हूं। मैंने भारतीय बल्लेबाजों के लिए एक मिस्ट्री बॉल भी सोच रखा है। हालांकि, मैंने इसको अभी कोई नाम नहीं दिया है। इस मिस्ट्री बॉल को लेकर मैं उत्साहित हूं। उम्मीद है कि टेस्ट सीरीज से पहले इसे एक नाम मिल जाएगा।'

ऑस्ट्रेलिया की बॉलिंग यूनिट काफी मजबूत

लियोन ने कहा, 'भारत की बैटिंग यूनिट बेहद मजबूत है। उनके पास दुनिया के बेहतरीन बल्लेबाज हैं, लेकिन हमारी बॉलिंग यूनिट भी इस वक्त सबसे अच्छी है। मुझे लगता है कि टेस्ट सीरीज के दौरान हम भारतीय बल्लेबाजों को काफी चुनौती देंगे। उनके बल्लेबाज स्पिन को अच्छा खेलते हैं और मैं यह चुनौती लेने के लिए तैयार हूं। मिचेल स्टार्क की वापसी से हमारी पेस बॉलिंग भी मजबूत हुई है।'

ऑस्ट्रेलिया को मुंहतोड़ जवाब देगी टीम इंडिया

वहीं, भारत के शुभमन गिल ने कहा है कि टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया को हर मामले में मुंहतोड़ जवाब देगी। उन्होंने कहा कि चाहे स्लेजिंग हो या शॉर्ट पिच बॉलिंग, भारत के पास ऑस्ट्रेलिया के हर मूव के लिए जवाब मौजूद है। शुभमन ने कहा, 'एक समय था जब भारतीय खिलाड़ी शांत हुआ करते थे और विपक्षी टीम इसका फायदा उठाती थी, लेकिन अब ऐसा नहीं है।'

विराट कोहली की अनुपस्थिती में अजिंक्य रहाणे बेहतर कप्तान साबित होगा: सुनील गावसकर

भारतीय बल्लेबाज सुनील गावसकर का मानना है, कि कप्तान कोहली की गैर मौजूदगी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी तीन टेस्ट में अगर अजिंक्य रहाणे को भारत की कप्तानी दी जाती है, तब उस पर कोई दबाव नहीं होगा। कोहली एडीलेड में होने वाले पहले टेस्ट के बाद पितृत्व अवकाश पर स्वदेश लौटने वाले है। बाकी तीन टेस्ट में रहाणे को कप्तानी देने की संभावना है। गावसकर ने कहा, रहाणे पर कोई दबाव नहीं है, क्योंकि उसने दो बार भारत की कप्तानी की और दोनों बार विजयी रहा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ धर्मशाला में रहाणे की कप्तानी में भारत जीता और फिर अफगानिस्तान के खिलाफ भी जीत चुका है। उन्होंने कहा, जहां तक उसकी कप्तानी का सवाल है,तब कोई दबाव नहीं होगा क्योंकि उसे पता है कि अगले तीन टेस्ट मैचों के लिए वह कार्यवाहक कप्तान ही होगा। गावसकर ने कहा, इसकारण मुझे नहीं लगता कि कप्तानी को लेकर वह ज्यादा सोच रहा होगा। रहाणे ने दोनों अभ्यास मैचों में भारत की कप्तानी की जो ड्रॉ रहे। वह उतनी ही ईमानदारी से कप्तानी करेगा, जैसे बल्लेबाजी करता है। वह क्रीज पर पुजारा को विरोधी पर दबाव बनाने का मौका देकर खुद उसका साथ देगा। पुजारा 2018-19 में खेली गई सीरीज में 521 रन बनाकर प्लेयर ऑफद सीरिज थे। भारत ने वह सीरीज 2-1 से जीती थी। गावसकर का मानना है कि भारत को अगर आगामी श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन करना है, तब पुजारा को लंबी पारियां खेलनी होंगी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके घर में खेलना बड़ा अवसर

शुभमन ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया में खेलना बड़ी चुनौती है। एक बल्लेबाज के तौर पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके घर में खेलने से बड़ा अवसर आपके लिए कुछ नहीं हो सकता। अगर आप इस अवसर को भुनाने में कामयाब होते हो और रन बनाते हो, तो इससे आपके आत्मविश्वास को फायदा पहुंचता है। हमने पिंक बॉल से काफी प्रैक्टिस की है। मैं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए तैयार हूं।'

ऑस्ट्रेलियन ओपनः साल के पहले टूर्नामेंट में फेडरर के खेलने पर संशय

सिडनी ■ एजेंसी

वर्ल्ड नंबर-5 रोजर फेडरर के अगले साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन में खेलने पर संशय है। वे फिलहाल घुटने की 2 सर्जरी से रिकवर कर रहे हैं। फेडरर ने कहा कि उन्हें ठीक होने में काफी वक्त लग रहा है। 39 साल के फेडरर ने लगभग 1 साल से कोई भी मैच नहीं खेला है। उन्होंने अपना आखिरी मैच जनवरी, 2020 में ऑस्ट्रेलियन ओपन सेमीफाइनल में नोवाक जोकोविच के खिलाफ मेलबर्न पार्क में खेला था।

फेडरर ने कहा, 'मैं उम्मीद कर रहा था कि इस साल अक्टूबर तक ठीक हो जाऊंगा, लेकिन मुझे नहीं लगता कि ऐसा हो पाया है। जब मैंने अपने घुटने का दूसरा ऑपरेशन करवाया, तो मुझे काफी परेशानी हुई। हालांकि, पिछले 6 महीने में काफी सुधार हुआ है। अब ये देखना होगा कि अगले 2 महीने में ठीक हो पाता हूं या नहीं। मैं फिजियो से संपर्क में हूं और फिटनेस पर काम कर रहा हूं।' हालांकि अभी ऑस्ट्रेलियन ओपन को लेकर भी संशय है। ये टूर्नामेंट अगले साल 18 जनवरी से 31 जनवरी के बीच होना था। लेकिन कोरोना की वजह से तारीख आगे बढ़ाई जा सकती है। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया के रिपोर्ट के मुताबिक ये टूर्नामेंट अगले साल 8 फरवरी से हो सकता है। फेडरर ने कहा, 'मैं ऑस्ट्रेलियन ओपन के आयोजन की तारीख का भी इंतजार कर रहा हूं। अगर टूर्नामेंट 8 फरवरी से शुरू होता है, तो मुझे निश्चित तौर पर कुछ समय मिलेगा और मेरे लिए फायदेमंद साबित होगा।' फेडरर को स्विट्जरलैंड सरकार ने 1950 से अब तक का देश का बेस्ट एथलीट भी घोषित किया।

ऑस्ट्रेलियन ओपन होस्ट करने के लिए 3 टेनिस कोर्ट तैयार

ऑस्ट्रेलियन ओपन के लिए मेलबर्न पार्क में 3 कोर्ट तैयार किए जा रहे हैं। जिसमें रोड लेवर एरेना सबसे बड़ा है। इसमें 15,000 लोगों के बैठने की क्षमता है। वहीं, मेलबर्न एरेना में 9,646 लोगों के बैठने की क्षमता है। जबकि, मार्ग्रेट कोर्ट एरेना में 7,500 लोगों के बैठने की क्षमता है। सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने सबसे ज्यादा 8 बार ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब अपने नाम किया है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के रॉय इमरसन और फेडरर ने 6-6 बार ये खिताब अपने नाम किया। ऑस्ट्रेलिया के जैक क्रॉफोर्ड और केन रोजवेल ने 4-4 बार ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीता है।

न्यूज. ब्रीफ

शेयर बाजार तेजी के साथ नए उच्चस्तर पर बंद

मुंबई। मुम्बई शेयर सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन आईसीआईसीआई बैंक, एलएंडटी और कोटक बैंक के शेयरों में आई तेजी के साथ ही विदेशी कोषों के सतत प्रवाह के बीच ही सेंसेक्स 154 अंक बढ़कर नए उच्चस्तर पर पहुंच गया। दिन भर के कारोबार के बाद बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स अपने सर्वकालिक उच्चस्तर 46,373.34 अंक तक पहुंचने के बाद अंत में 154.45 अंक करीब 0.34 फीसदी की बढ़त के साथ ही रिकॉर्ड 46,253.46 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 44.30 अंक तकरीबन 0.33 फीसदी के लाभ से 13,558.15 अंक के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचकर बंद हुआ। कारोबार के दौरान इसने 13,597.50 अंक का नया उच्चस्तर भी हासिल किया। सेंसेक्स की कंपनियों में ओएनजीसी का शेयर सबसे अधिक करीब पांच फीसदी ऊपर आया। इसके अलावा एलएंडटी, एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक, सन फार्मा, एचसीएल टेक, टाइटन और कोटक बैंक के शेयर भी लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज ऑटो, टेक महिंद्रा और बजाज फिनसर्व के शेयरों में गिरावट रही। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का समर्थन मिलने से भी घरेलू बाजार नई रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचे। इसके अलावा विदेशी कोषों के सतत प्रवाह से भी बाजार को समर्थन मिला है। शेयर बाजारों के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने गत सप्ताहांत 4,195.43 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

सोने और चांदी की कीमतों में आई गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों से दिल्ली सराफा बाजार में सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन सोना 460 रुपये गिरकर 48,371 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। वहीं इससे पहले पिछले कारोबारी सत्र में सोना 48,831 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसके अलावा चांदी भी 629 रुपये की गिरावट के साथ 62,469 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। इसका पिछला बंद भाव 63,098 रुपये प्रति किलोग्राम था। जानकारों के अनुसार दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत में 460 रुपये गिरावट आई जो सोने की वैश्विक कीमत में गिरावट और रुपये के मूल्य में सुधार को दिखाती है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना गिरावट के साथ 1,830 डॉलर प्रति औंस रह गया जबकि चांदी 23.82 डॉलर प्रति औंस पर लगभग बदलाव रहित रही।

2 पैसों की मजबूती के साथ रुपया 73.64 पर बंद

मुंबई। करोबारी सप्ताह के प्रथम दिन रुपए में तेजी देखने को मिली। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया सोमवार को 5 पैसे की मजबूती के साथ 73.59 पर बंद हुआ। मुद्रा बाजार में सोमवार को शुरूआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया 73.62 पर खुला तथा कारोबार के अंत में 5 पैसे की मामूली मजबूती के साथ 73.59 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं पिछले दिन यानी शुक्रवार को रुपया 2 पैसों की मजबूती के साथ 73.64 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

सिस्का समूह बाजार में पंखा पेश करेगा

नई दिल्ली। एलईडी आधारित प्रकाश उत्पादों से लेकर निजी देखभाल खंड में पहचान बनाने के बाद सिस्का समूह ने बाजार में पंखा पेश करने की घोषणा की है। कंपनी ने कहा कि सिस्का नए उत्पादों की पेशकश के जरिए प्रत्येक घर तक पहुंचने के क्रम में उसने सीलिंग, टेबल, एग्जॉस्ट सहित पंखों की विस्तृत श्रृंखला बाजार में उतारी है। कंपनी का दावा है कि उसके नए उत्पाद सुविधाजनक और देखने में खूबसूरत हैं। सिस्का समूह के निदेशक राजेश उत्तमचंदानी ने कहा, घरेलू पंखा खंड में वृद्धि की अपार संभावनाएं हैं। सिस्का में हम नवाचारी उत्पादों की पेशकश के जरिए ऊर्जा संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध हैं।

ईएमआई पर ले सकते हैं प्रीपैड मोबाइल टैरिफ

मुंबई। अभी तक आप महंगे स्मार्टफोन ईएमआई पर खरीद सकते थे, लेकिन प्रीपैड मोबाइल टैरिफ भी ईएमआई पर ले सकते हैं। नए टेलिकॉम ब्रांड वी और बजाज फाइनेंस लिमिटेड ने इसके लिए आपस में हाथ मिलाया है। इसके तहत आप किफायती ईएमआई पर स्मार्टफोन खरीदने का साथ-साथ वी से 6 महीने से एक साल तक का प्रीपैड प्लान भी ले सकते हैं। ईएमआई स्मार्टफोन की कीमत और रिचार्ज प्लान के हिसाब से कैल्कुलेट होगी। इसके बाद कुल अमाउंट को 6 से 12 महीने की किस्तों में बांटकर ईएमआई की राशि निर्धारित होगी। मान लें कोई कस्टमर 6 महीने के लिए 1197 रुपये की प्रीपैड प्लान लेता है,तब प्रति महीने 200 रुपये के हिसाब से भुगतान करना होगा। जबकि ओपन मार्केट चार्ज 249 रुपये है।वहीं अगर ग्राहक 12 महीने के लिए 2399 रुपये का प्लान लेता है,तब हर महीने 200 रुपये देना होगा, जबकि ओपन मार्केट में 299 रुपये चार्ज हैं। इस तरह कस्टमर को काफी बचत होगी। छह महीने की वैलिडिटी के लिए कस्टमर को 1197 रुपये में रोज 1.5 जीबी डेटा के साथ-साथ अनलिमिडेट वॉइस कॉल बेनिफिट मिलेगा। इसी तरह 12 महीने का प्लान लेने वाले उपभोक्ता को रोज 2 जीबी डेटा के साथ अनलिमिटेड वॉइस कॉल की सुविधा मिलेगी। साथ ही डेवाइस की खरीद के समय 100 फ्री एसएमएस और फ्री नैशनल रोमिंग की सुविधा भी होगी।

वेस्टइंडीज का व्हाइट वॉशः आईसीसी रैंकिंग में नंबर 2 पर पहुंची कीवी टीम

न्यूजीलैंड टीम ने आखिरी टेस्ट पारी और 12 रन से जीता

वेलिंगटन ■ एजेंसी

न्यूजीलैंड ने मेहमान वेस्टइंडीज को दूसरे टेस्ट मैच में एक पारी और 12 रन से हराकर दो टेस्ट मैचों की सीरीज को 2-0 से जीत लिया है। इसके साथ ही न्यूजीलैंड भारत को पीछे छोड़कर क्रउ वर्ल्ड टेस्ट रैंकिंग में नंबर 2 पर पहुंच गई है। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड दोनों टीमों की रेटिंग 116 है। लेकिन दशमलव के कुछ अंकों में पीछे रहने के कारण ऑस्ट्रेलिया नंबर-1 और न्यूजीलैंड की टीम नंबर-2 पर आ गई है। न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 460 रन बनाए थे और वेस्टइंडीज को 131 रन पर समेट दिया, जिससे वह 329 रन से आगे थी और उसने फालोऑन देने का फैसला किया। चौथे दिन का खेल शुरू होने से पहले तक वेस्टइंडीज टीम का स्कोर 6 विकेट पर 244 रन था।क्रीज पर जेसन होल्डर और जोशुआ डी सिल्वा क्रीज पर थे। डी सिल्वा 8 रन ही जोड़े थे, कि टीम साउथी ने होल्डर(61) को बोल्ड कर दिया। उसके बाद अल्जारी जोसेफ बैटिंग के लिए करने के लिए आए। डी सिल्वा और अल्जारी के बीच आठवें विकेट के लिए 30 रन की साझेदारी हुई। अल्जारी को साउथी ने 24 रन पर आउट कर दिया। वेस्ट इंडीज दूसरी पारी में 317 रन ही बना सकी। न्यूजीलैंड के लिए दूसरी पारी में नील वेगनर और ट्रेंट बोल्ट ने तीन-तीन विकेट लिए।

पहले टेस्ट में वेस्टइंडीज को एक पारी और 134 रन से हराया था

न्यूजीलैंड ने पहले टेस्ट में वेस्टइंडीज को पारी और 134 रन से हराया था। न्यूजीलैंड ने पहली पारी में सात विकेट पर 519 रन बनाने के पारी घोषित कर दी थी। वहीं वेस्टइंडीज की टीम 247 रन पर ढेर हो गई थी। वहीं दूसरी पारी में 138 रन ही बना सकी थी।

ऑस्ट्रेलिया ए पर बरसे बॉर्डर

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान एलन बॉर्डर ने ऑस्ट्रेलिया ए टीम के भारत के साथ हुए दिन-रात्रि मैच में खराब प्रदर्शन के लिए उन्हें आड़े हाथों लिया है। बॉर्डर ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया ए के बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने बेहद खराब खेला। बॉर्डर ने कहा, मैंने किसी भी तरह की क्रिकेट में अंतिम सत्र में जितना भी खेल देखा उनमें यह बहुत ही बेकार और लचर प्रदर्शन था। उन्होंने कहा, यह ऑस्ट्रेलिया ए है, वे ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व कर रहे है। वे युवा हैं जो राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने की कोशिश कर रहे हैं पर उनका क्षेत्ररक्षण, गेंदबाजी, कप्तानी में प्रदर्शन सभी शर्मनाक था तरह का था। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एडिलेड में 17 दिसंबर से होने वाले डे नाइट टेस्ट मैच से पहले इस प्रकार के प्रदर्शन से टीम का मनोबल भी घटता है।

फ्रांस में अस्ट्रिया के ओटमार अल्पाइन स्की मुकाबले में भाग लेते हुए।

कोविड-19 महामारी ने मानवीय दुख और त्रासदी को झकझोर दिया : अजीम प्रेमजी

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

निजी क्षेत्र की सूचना प्राद्योगिकी की शीर्ष साफ्टवेयर कंपनी विप्रो के संस्थापक अध्यक्ष अजीम प्रेमजी ने सोमवार को कहा कि कोविड-19 महामारी ने मानवीय दुख और त्रासदी को झकझोर दिया। उन्होंने कहा कोरोना वायरस महामारी ने संरचनात्मक असमानताओं और अन्याय को उजागर किया है, जो लाखों नागरिकों को सामान्य गरिमामय जीवन से दूर कर देता है। साथ ही उन्होंने कहा कि आपदा से सार्वजनिक प्रणालियों की बुनियादी भूमिका स्पष्ट हुई है। फिक्की के वार्षिक अधिवेशन में एक संदेश के जरिए प्रेमजी ने कहा कि कोविड-19 महामारी ने मानवीय दुख और त्रासदी को झकझोर दिया है और यह हमें याद दिलाता है कि अर्थव्यवस्था समाज का हिस्सा है और मानव कल्याण सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, महामारी ने हमारी सभी संरचनात्मक असमानताओं और अन्याय को उजागर किया है, जो हमारे लाखों-करोड़ों नागरिकों को सामान्य गरिमामय जीवन से दूर कर देता है। प्रेमजी ने कहा कि देश के एजेंडे में इन बातों को शामिल होना चाहिए- भोजन, आवास, सुरक्षा और बुनियादी सामाजिक सुरक्षा, न्यायसंगत और उच्च गुणवत्ता वाली सार्वजनिक शिक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली, पृथ्वी और उस पर सभी जीवन की देखभाल, किसी भी प्रकार के पूर्वाग्रह और भेदभाव का उन्मूलन, और रोजगार तथा आजीविका, जो न्यायपूर्ण और निष्पक्ष हो। उन्होंने कहा, अगर हम सभी- सरकारें, उद्योग, नागरिक समाज, राजनेता, आम नागरिक- एक साथ आते हैं, तो मुझे यकीन है कि यह एजेंडा काफी हद तक पूरा हो सकता है।

मशवरा ➤ इस साल के नुकसान की भरपाई करने और इकनॉमी को कोविड-19 से पहले वाली स्थिति में लाने के लिए 8 पर्सेंट ग्रोथ की जरूरत होगी

नए साल के बजट में बढ़ेगा खर्च, टैक्स रिफॉर्म्स के मोर्चे पर खास नहीं

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

तकनीकी तौर पर मंदी में फंसी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए रिजर्व बैंक के फॉर्मर गवर्नर सी रंगराजन को नए साल में उम्मीद की किरण नजर आ रही है। दरअसल, कोविड-19 से बचाव के लिए वैक्सीन की पहली खेप 2021 की शुरूआत में आने की संभावना जताई जा रही है। उनके मुताबिक यूनियन बजट 2021-22 से है जिसमें नए साल के लिए हाई इकनॉमिक ग्रोथ हासिल करने और इस साल के ग्रोथ लॉस की भरपाई करने पर जोर रह सकता है। सरकार के कुल खर्च, टोटल कैपिटल एक्सपेंडिचर और फिस्कल डेफिसिट। दूसरे दिग्गज अर्थशास्त्रियों की तरह रंगराजन का भी मानना है कि इकनॉमिक ग्रोथ काफी हद तक सरकारी खर्च, खासतौर पर कैपिटल एक्सपेंडिचर में बढ़ोतरी के असर से होनेवाली आर्थिक राहत से जुड़ी है।

स्वास्थ्य से जुड़ी प्राथमिकताओं से तय होगी खर्च में बढ़ोतरी

फॉर्मर आरबीआई गवर्नर का मानना है कि सरकारी खर्च में बढ़ोतरी स्वास्थ्य के अलावा उद्योग और कृषि से जुड़ी प्राथमिकताओं से तय होगी। कोविड-19 के वैक्सीन की डिलीवरी को देखते हुए 2020-21 के दौरान सरकार के स्वास्थ्य व्यय में एक बार की बढ़ोतरी हो सकती है। जहां तक टैक्स रिफॉर्म्स की बात है तो इस मोर्चे पर कुछ खास होने की गुंजाइश नहीं है क्योंकि सरकार इस साल पहले ही कुछ कॉरपोरेट टैक्स छोड़ चुकी है। 2021-22 में 2020-21 के टैक्स रिडक्शन का असर देखने को मिल सकता है जिससे कर छूट की जरूरत कम हो जाएगी।

2020-21 में जीडीपी ग्रोथ शून्य से 8 पर्सेंट कम रहने का अनुमान

आरबीआई के फॉर्मर गवर्नर रंगराजन का कहना है, इस साल यानी 2020-21 में जीडीपी ग्रोथ शून्य से 8 पर्सेंट कम रहने का अनुमान दिया गया है। इस साल के नुकसान की पूरी भरपाई करने और इकनॉमी को कोविड-19 से पहले वाली स्थिति में लाने के लिए अगले साल 8 पर्सेंट जीडीपी ग्रोथ की जरूरत होगी।

फिस्कल डेफिसिट जीडीपी का 7 पर्सेंट रह सकता है, 9 पर्सेंट नहीं

रंगराजन का कहना है कि इस साल फिस्कल डेफिसिट जीडीपी का 7 पर्सेंट रह सकता है, 9 पर्सेंट नहीं, जितना कि सरकार के खर्च में बढ़ोतरी होने पर अनुमान लगाया जा रहा था। उनका कहना है कि एडिशनल एक्सपेंडिचर होने पर 7 पर्सेंट का सेंट्रल फिस्कल डेफिसिट स्टेट डेफिसिट से मिलकर जीडीपी के कुल 12 पर्सेंट पर पहुंच जाएगा।

सरकारी खर्च अगले तीन से चार महीनों में बढ़ने की उम्मीद

रंगराजन ने सरकारी खर्च बढ़ाए जाने और उससे मिलने वाली आर्थिक राहत के सपोर्ट में अगले तीन से चार महीनों में उसमें बढ़ोतरी होने की उम्मीद जताई है। उनके मुताबिक दूसरी तिमाही की ग्रोथ के आंकड़े पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, डिफेंस और दूसरी सर्विसेज में 12.2 की कमी आने का संकेत देते हैं।

फिस्कल डेफिसिट में कम से कम 2 पर्सेंट की कमी लाना चाहिए

रंगराजन का मानना है कि सरकार को फिस्कल डेफिसिट में जीडीपी के कम से कम 2 पर्सेंट की कमी लाना चाहिए। लेकिन इसके लिए सरकार को कैपिटल एक्सपेंडिचर में कमी नहीं करनी चाहिए क्योंकि फिस्कल डेफिसिट हाई होने की वजह रेवेन्यू लॉस है। अगले साल 8 पर्सेंट की जीडीपी ग्रोथ रहने पर रेवेन्यू बढ़ेगा तो फिस्कल डेफिसिट में कमी आएगी। रंगराजन का कहना है कि अगर रेवेन्यू मौजूदा वित्त वर्ष के मुकाबले लगभग 10 पर्सेंट बढ़ती है और एलास्टिसिटी एक रहती है तो 8 पर्सेंट की जीडीपी ग्रोथ पर इनकम में 8 पर्सेंट की बढ़ोतरी होगी।

दैनिक पुष्पांजली टुडे

एक नजर...

चोर दो लाख के सामान के साथ ले गए सीसी टीवी कैमरे का डीवीआर

ग्वालियर। झांसी रोड थाना क्षेत्र के तहत चोरों ने एक बुटीक पर हाथ साफ कर दिया। चोर बुटीक से न केवल दो लाख का सामान ले गए, बल्कि सीसी टीवी कैमरे का डीवीआर भी अपने साथ ले गए। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। घटनाक्रम के मुताबिक झांसी रोड थाना क्षेत्र के महाराणा प्रताप कालोनी निवासी मुदित आरोरा पुत्र राकेश आरोरा कीशिनोर बुटीक है। बीती रात चोरों ने बुटीक के ताले चटकाकर उसमें रखा एप्पल कंपनी का लैपटाप, दो दुल्हन के लंहगे, सात जोड़ी जूतियां, व अन्य सामान पार कर ले गए। सुबह जब बुटीक मालिक दुकान पर पहुंचा तो उसे ताले टूटे हुए मिले। इसके बाद मुदित अरोरा ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची। साथ ही फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट भी पहुंचे। लेकिन चोरों का सुराग नहीं लगा। पुलिस ने फिलहाल अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

डीवीआर भी अपने साथ ले गए चोर- बुटीक में मालिक ने चोरों पर नजर रखने के लिए सीसी टीवी कैमरे भी लगवाए हुए हैं। लेकिन चोर बुटीक मालिक से अधिक चालाक निकले। चोरों ने सीसी टीवी के डीवीआर को भी चुरा लिया और अपने साथ ले गए। इस वजह से बुटीक में घुसे चोरों की पहचान नहीं हो सकी। हालांकि एक डीवीआर गुप्त स्थान पर रखा था। इसलिए उस डीवीआर को चोर नहीं ले जा सके। इस डीवीआर में तीन चोर आए हैं। पुलिस अब सीसी टीवी फुटेज के आधार पर चोरों को तलाश रही है।

चलती ट्रक में अपहरण के बाद युवक की पिटाई, वो गिड़गिड़ाता रहा, बचा लो भईया

ग्वालियर । ट्रक में युवक का अपहरण कर उसके साथ मारपीट किए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल है। वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है जबकि एक आरोपी फरार बताया जा रहा है। वायरल वीडियो में आरोपी, फरियादी के साथ बेरहमी से मारपीट कर रहा है। आरोपियों के चंगुल से छूटने के बाद फरियादी थाने पहुंचा, तब मामला पुलिस के सामने आया है। घटना पुरानी छावनी थाना क्षेत्र की है। शनिवार रात मोती झील इलाके में रहने वाले विवेक भदौरिया का समीप ही रहने वाले दीपू भदौरिया, गौतम तोमर और अन्नू सिसौदिया ने अपहरण कर लिया था। थाना प्रभारी सुधीर कुशवाह के मुताबिक आरोपियों ने विवेक के साथ मारपीट की है। पुलिस ने इस मामले के दो आरोपी गौतम तोमर और अन्नू सिसौदिया को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि दीपू भदौरिया अभी फरार बताया जा रहा है। वहीं, वायरल वीडियो में आरोपी विवेक के साथ बेरहमी से मारपीट कर रहे हैं। बताया जा रहा है आशनाई के शक में आरोपियों ने विवेक के साथ वारदात को अंजाम दिया है। फिलहाल पुलिस फरार आरोपी दीपू की सरगर्मी से तलाश कर रही है। आरोपी युवक की ट्रक में पिटाई कर रहे थे। युवक उनसे बचने के लिए लगातार ड्राइवर को कह रहा था कि बचा लो भईया।

मैरिजगार्डन में चौकीदार की संदिग्ध हालत में मौत

ग्वालियर। गिरवई थाना क्षेत्र के तहत ऋषिराज गार्डन में एक चौकीदार की मौत हो गई। चौकीदार की मौत के कारणों का पता नहीं चला है। पुलिस ने फिलहाल मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटनाक्रम के मुताबिक ऋषिराज गार्डन में चौकीदारी करने वाले प्रकाश राज ने रात में गार्डन में ड्यूटी दी। लेकिन सुबह लोगों ने उसे मरा हुआ देखा। गार्डन संचालक ने पुलिस को इस बात की सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की। मृतक के शरीर पर किसी तरह के चोट आदि के निशान नहीं थे। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि हो सकता है कि चौकीदार की मौत ठंड लगने की वजह से हुई हो। हालांकि पुलिस मामले की जांच कर रही है। बाइक की टक्कर से अधेड़ की मौत- थाटीपुर क्षेत्र के कुम्हरपुरा क्षेत्र में बाइक की टक्कर से एक अधेड़ की मौत हो गई। घटनाक्रम के मुताबिक कुम्हरपुरा निवासी भगवत पुत्र रामेश्वर प्रसाद किसी काम से सड़क पर जा रहा था। तभी सामने से आ रही बाइक क्रमांक एमपी 07 एनएक्स 5120 के सवार ने बाइक को तेजी से चलाते हुए भगवत में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि भगवत सड़क पर गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। जब उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया तो डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बाइक सवार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

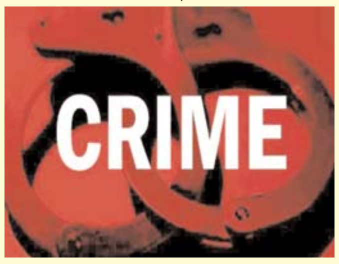

शहर का जयेन्द्रगंज बनेगा अब स्मार्ट बाजार

ग्वालियर । कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया टेडर्स (कैट) की ग्वालियर जिला इकाई की ओर से चलाए जा रहे स्मार्ट सिटी, स्मार्ट बाजार, स्मार्ट ग्राहक, स्मार्ट व्यापारी अभियान के अंतर्गत सोमवार को तारघर में जयेन्द्रगंज के व्यापारियों की बैठक में जयेन्द्रगंज को सुव्यवस्थित, सुंदर एवं व्यवधानमुक्त बाजार बनाने के उपायों पर गहन विचार-मंथन एवं सुझावों का आदान-प्रदान हुआ। बैठक में उपस्थित व्यापारियों को मोबाइल पर संबोधित करते हुए अति. पुलिस अधीक्षक सत्येंद्र सिंह तोमर ने कहा कि स्थानीय व्यापारियों के सहयोग से ही जयेन्द्रगंज को ग्वालियर के व्यापार-व्यवसाय जगत के लिए रोल मॉडल बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस सर्वाधिक व्यस्त बाजार में मुख्य समस्या पार्किंग की है, वाहनों के जाम जैसी समस्याओं से निजात पाने स्थानीय व्यापारियों व ग्राहकों को सड़क पर वाहन न खड़े करने के लिए जागरुक बनना होगा।

शनिवार की रात बनाएं नो पार्किंग जोन-बैठक में मौजूद जयेन्द्रगंज के व्यापारियों की शिकायतों, समस्याओं एवं सुझावों को सुनने के उपरांत कैट के प्रदेशाध्यक्ष भूपेन्द्र जैन ने कहा कि हम बहुत ही अच्छे तरीके से शनिवार की रात को नो पार्किंग जोन बनाकर देश के अन्य महानगरों, विशेषकर इंदौर के सराफा चौपाटी की तरह रात्रि 12 बजे तक खोलकर बहुत अच्छे से इस बाजार को डिजाइन कर सकते हैं। जयेन्द्रगंज व्यवसायी संघ के अध्यक्ष जयंत शर्मा ने कहा कि बाजार में जहां दुकानें नहीं हैं, उनके सामने पार्किंग बनाई जा सकती है। राजीव प्लाजा व्यवसायी संघ के अध्यक्ष एवं कैट के ग्वालियर पूर्व क्षेत्र के अध्यक्ष पारस जैन ने सुझाव दिया कि वाहनों के कारण सड़क जाम होने एवं सड़क पर वाहनों के खड़े होने की समस्या से निजात के लिए राजपूत बोर्डिंग, मराठा बोर्डिंग एवं तारघर में पैड पार्किंग बनाई जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि जयेंद्रगंज को नाइट स्ट्रीट मार्केट के रूप में विकसित करने की असीमित संभावनाएं हैं।

यह सुझाव भी आए-कैट की जयेंद्रगंज बाजार समिति के संयोजक साकेत आनंद एवं सहसंयोजक सुनील अग्रवाल ने नदीगेट के बाहर पुलिस चैकिंग प्वॉइंट की जगह परिवर्तित करने, रोड डिवाइडर पर बाजार के महत्वपूर्ण कॉम्पलेक्सों व भवनों को दर्शाने वाले संकेतक लगाने का सुझाव दिया। थाना स्तर पर गठित व्यापार समिति के संयोजक दिलीप पंजवानी ने कहा कि व्यापारियों की ट्रैफिक, कानून व्यवस्था आदि से जुड़ी समस्याओं के निराकरण के लिए काम करते हुए उनकी समिति पुलिस प्रशासन एवं व्यवसाइयों के बीच संवाद सेतु का काम करेगी। नवीन उपाध्याय ने कहा कि दुकानों के बाहर भी सीसीटीवी कैमरे लगने चाहिए। कैट के जिला उपाध्यक्ष संजय कट्ठल ने कहा कि व्यापारी ट्रैफिक नियमों के पालन के लिए प्रतिबद्ध हैं। बैठक का संचालन कर रहे कैट की ग्वालियर इकाई के जिला संयोजक दीपक पमनानी ने बताया कि सात दिवस के भीतर जयेंद्रगंज के व्यापारियों के वाहनों व स्टाफ का टोटल सर्वे कर लिया जाएगा। अंत में आभार प्रदर्शन कैट के संयुक्त सचिव सीए मयूर गर्ग ने किया। बैठक में देवेन्द्र पवैया, वरिष्ठ व्यवसायी एमएल अरोरा, संजय अनिल पुनियानी, महेंद्र भदकारिया, एड. जेसी गोयल, विद्यासागर ढोढी, श्याम पाण्डे आदि ने भी सुझाव दिए।

एलीवेटेड रोड की फिजिबिलिटी के लिए शुरू हुआ सर्वे

ग्वालियर। शहर में स्वर्ण रेखा पर एलीवेटेड रोड बनाए जाने के प्रजोक्ट की फिजिबिलिटी की जांच के लिए पीडब्ल्यूडी ने कार्रवाई शुरू कर दी है। पीडब्ल्यूडी ने डीपीआर बनाने के लिए एजेंसी को 20 लाख का ठेका दिया है। एजेंसी ने कार्य भी शुरू कर दिया है।

फूलबाग से जलालपुर तक प्रस्तावित स्वर्ण रेखा पर एलीवेटेड रोड के लिए डीपीआर बनाने का कार्य पीडब्ल्यूडी को सौंपा है। पीडब्ल्यूडी ने इसके लिए एजेंसी को अनुबंधित किया है। डीपीआर में एजेंसी द्वारा जमीन के स्टेबिलिटी की भी जांच की जा रही है। इसके लिए जगह-जगह बोरिंग कराई जा रही हैं। फिहलहाल 6 बोरिंग कराई गई हैं।

एक महीने में पूरा होगा सर्वे- पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के अनुसार डीपीआर का कार्य एक महीने में पूरा कर लिया जाएगा। सैंपल की रिपोर्ट आने के बाद ही सड़क बनाने की फिजिबिलिटी का पता चलेगा।

जमीन में नहीं मिला पत्थर-जमीन के अंदर स्ट्रेंथ के लिए बोरिंग कराई जाती है। पीडब्ल्यूडी द्वारा 20 जगह बोरिंग कराई जाएंगी। इसमें से रानीपुरा, फूलबाग, गांधीनगर सहित करीब 6 जगहों पर बोरिंग कराई गई, जिसमें जमीन के अंदर पत्थर नहीं मिला है। जबकि 5 से 6 फीट तक तो गंदगी ही निकल रही है। जानकारों की मानें तो अगर पत्थर मिलता तो अच्छा रहता है बेस तैयार करना आसान होता है।

एजेंसी बना रही है डीपीआर

एलीवेटेड रोड के लिए फिजिबिलिटी जांचने और डीपीआर बनाने का कार्य एजेंसी कार्य कर रही है। एक महीने में यह कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

एमएस जादौन, कार्यपालनयंत्री, पीडब्ल्यूडी ब्रिज

9 माह बाद प्रारंभ हुई पहली जनसुनवाई बनी सेवानिवृत्त शिक्षक के लिए वरदान

ग्वालियर। कोविड-19 के कारण लगभग पिछले 9 माह से बंद चल रही जनसुनवाई आज से जिलाधीश कार्यालय में प्रारंभ की गई। कोविड-19 के बाद प्रारंभ की गई पहली ही जनसुनवाई में एक सेवानिवृत्त शिक्षक के लिए वरदान साबित हुई। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि कोविड-19 के बाद आज पहली बार कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशानुसार सभी विभागों में जनसुनवाई प्रारंभ की गई। पहली जनसुनवाई में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पागनवीसी से सेवानिवृत्त शिक्षक श्री विनोद कुमार पाराशर ने कलेक्टर श्री सिंह के समक्ष अपना आवेदन प्रस्तुत किया। श्री पाराशर ने कलेक्टर श्री सिंह को बताया कि वह दिनांक 31 जुलाई 2019 को सेवानिवृत्त हुए थे, उन्हें तृतीय क्रमोन्नति प्रदाय करने का आदेश जारी किया गया था, लेकिन अभी तक फिक्सेशन ना होने से रिवाइज पीपीओ व ग्रेच्युटी, अवकाश आदि का भुगतान नहीं किया गया है। जिस पर कलेक्टर श्री सिंह ने त्वरित संज्ञान में लेते हुए शासन नियम अनुसार निर्धारित समय अवधि में कार्यवाही संपादित नहीं करने के कारण शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पागनवीसी के प्राचार्य श्री संजय निगम एवं सहायक ग्रेड 2 श्री देवेंद्र शर्मा तथा प्रभारी विकास खंड शिक्षा अधिकारी मुरार श्रीमती मंजू सिंह के विरुद्ध कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया तथा संबंधित श्री पाराशर का रिवाइज्ड पीपीओ के लिए प्रकरण जिला कोषालय ग्वालियर में प्रेषित कर दिया है तथा संबंधित को तत्काल भुगतान करने की कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए हैं।

अतिरिक्त आय के लिये किसान पशुधन बीमा योजना लागू

ग्वालियर। किसान पशुपालन अपनाकर अतिरिक्त आय प्राप्त कर सकते हैं। पशुधन बीमा योजना लागू होने से पशुपालन व्यवसाय में पशुधन हानि की भरपाई संभव हो गई है। यह योजना सभी जिलों में लागू है। पशुधन बीमा योजना में दुधारू पशु के साथ सभी श्रेणी के पशुधन का भी बीमा कराया जा सकता है। एक हितग्राही अधिकतम 5 पशुओं का बीमा करा सकता है। भेड़, बकरी, शूकर आदि में 10 पशुओं की संख्या को एक पशु इकाई माना जाएगा। इससे यह आशय है कि भेड़, बकरी एवं शूकर पालक एक बार में 50 पशुओं का बीमा करा सकेंगे। बीमा प्रीमियम पर एपीएल श्रेणी को 50 प्रतिशत तथा बीपीएल, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति श्रेणी के पशु पालकों को 70 प्रतिशत तक अनुदान मिलेगा। शेष राशि हितग्राही द्वारा दी जायेगी। बीमा प्रीमियम की अधिकतम दर एक वर्ष के लिये 3 प्रतिशत तथा तीन वर्ष के लिए 7.50 प्रतिशत देय होगी। प्रदेश में वर्तमान में 2.45 प्रतिशत तथा 5.95 प्रतिशत दर लागू है। पशुपालक अपने पशुओं का बीमा एक वर्ष से लेकर तीन वर्ष तक के लिये करा सकेंगे। बीमित पशुओं के पालकों को पशु की मृत्यु की सूचना 24 घंटे के भीतर बीमा कंपनी को देना होगी। पशुपालन विभाग के चिकित्सक शव का परीक्षण करेंगे और रिपोर्ट में मृत्यु के कारणों का उल्लेख करेंगे। बीमा कंपनी को अधिकारी एक माह के अंदर दावे संबंधी प्रपत्र प्रस्तुत करेंगे। उसके बाद कंपनी 15 दिन में दावे का निराकरण करेगी।

डेढ़ करोड़ का पानी पी गए 5700 परिवार, नहीं चुका रहे बकाया बिल

डबरा। नगर पालिका इस समय अपने पानी के बकाए को लेकर परेशान है। बकायेदारों के यहां नोटिस भेजे गए, लेकिन जलकर अदा करने में लोगों ने दिलचस्पी नहीं ली। हर महीने जलकर बढ़ता ही जा रहा है। पर इस बढ़ते बकाये को लोग नहीं भर रहे हैं। लोक अदालत के माध्यम से भी जलकर और संपत्तिकर जमा करा सकें। इसे लेकर नगर पालिका प्रबंधन ने करीब 300 बकायेदारों की लिस्ट भी बनाई और उनको नोटिस भेजे गए। इसके बाद भी कुछ ही लोगों को छोड़कर अन्य लोग अपना जलकर अदा करने नहीं पहुंचे। चिंतनीय बात ये है कि नगर पालिका प्रबंधन कई सालों से जलकर बकाया जमा कराने के लिए नोटिस भेजता रहा है। इसके बाद भी लोगों ने दिलचस्पी नहीं दिखाई है। अगर नगर पालिका क्षेत्र की बात करें, तो करीब 5700 नल कनेक्शनधारी ऐसे हैं, जो जलकर अदा नहीं कर रहे हैं। इन नल कनेक्शनधरियों पर करीब डेढ़ करोड़ रुपए का बकाया है। नगर पालिका प्रबंधन नल कनेक्शन धारियों के बाप दादाओं के समय से नोटिस भेजती रही है, इसके बाद भी लोग जलकर अदा नहीं कर रहे। नगर पालिका प्रबंधन का कहना है कि अगर लोग जलकर अदा करेंगे तो नगर पालिका को बकाया मिलेगा जो शहर विकास के लिए उपयोग किया जा सकेगा।

बकायेदारों में कई सम्पन्न फिर भी ये हाल

बता दें कि नगर पालिका की जो जलकर बकाएदारों की लिस्ट हैं उसमें कई नाम ऐसे हैं जो शहर के सम्पन्न लोग हैं। इसके बाद भी वह अपना जलकर अदा नहीं कर रहे हैं। हालांकि सामान्य और गरीब वर्ग के लोग अपना बकाया जमा करा देते हैं। यही हाल संपत्तिकर का है। जिस तरह से लोग जलकर अदा नहीं कर रहे हैं, उसी तरह संपत्तिकर अदा करने में भी दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं। लोक अदालत में जलकर के मामले सुलझ जाएं, इसे लेकर नगर पालिका प्रबंधन ने बकायेदारों को नोटिस भी भिजवाए थे, लेकिन बकायेदार बकाया अदा करने नहीं पहुंचे। इधर बकाये पर हर लगातार अधिभार बढ़ता ही जा रहा है।

परिवारों के अलग होने से अटक रहा बकाया

नगर पालिका के जलकर बकायेदारों में दर्जनों नाम ऐसे हैं जो 25 से 30 साल पुराने हैं जिनका जलकर अदा नहीं हुआ है। नगर पालिका द्वारा उनको लगातार नोटिस भेजे जाते रहे हैं। अब परिवारों में बंटवारे हो गए हैं। यानी दादा या पिता के नाम से जो नोटिस आ रहे हैं, वह अलग-अलग हुए परिवारों के बीच उलझ रहे हैं। तीन दिन पहले नगर पालिका की टीम जलकर बकाया जमा कराने के लिए एक उपभोक्ता के पास पहुंची तो वहां उपभोक्ता द्वारा बताया गया कि यह नोटिस दादा के नाम का है। अब हम सभी अलग-अलग हो गए हैं, तो फिर इतनी राशि का नोटिस सिर्फ मेरे पास ही क्यों आया है। इसके बाद नगर पालिका टीम को अपना नोटिस साथ लेकर लौटना पड़ा।

इनका कहना है

नगर पालिका क्षेत्र में करीब 5700 नल कनेक्शन धारी हैं जिन पर करीब डेढ़ करोड़ रुपए का बकाया है। हम लगातार नोटिस भेज रहे हैं फिर भी लोग जलकर अदा नहीं कर रहे हैं।

प्रदीप सिंह भदौरिया, सीएमओ, नगर पालिका डबरा

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रॉनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478